RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:71 ता. 02 सितम्बर 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

40 हजार हेक्टेयर में बसेगा ग्रेटर नोएडा फेज-2, मास्टर प्लान की मंजूरी में अभी कई अड़चनें

नोएडा। ग्रेटर नोएडा फेज-2 के मास्टर प्लान में अभी कई अड़चन हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने मास्टर प्लान की सैद्धांतिक सहमति जरूर दे दी है, लेकिन अभी इसमें काफी काम बाकी है। सभी स्टेक होल्डरों से बातचीत की जानी है। साथ ही, आमजन के सुझाव एवं आपत्तियां भी ली जानी हैं। इसके बाद ही मास्टर प्लान पर अंतिम मुहर लग सकेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की इसी महीने हुई बोर्ड बैठक में प्राधिकरण के फेज-2 (मास्टर प्लान 2041) मास्टर प्लान को सैद्धांतिक सहमति मिल गई थी। फेज-2 करीब 40 हजार हेक्टेयर में बसाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर प्लान में सभी स्टेक होल्डरों से बातचीत होनी है। इसमें सिंचाई विभाग, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, जिला प्रशासन आदि शामिल है। अगर मास्टर प्लान के एरिया कोई नहर, नाला आदि है तो इसकी सही जानकारी सिंचाई विभाग ही देगा। अगर कोई वेटलैंड या अन्य ग्रीनरी है तो इस वन विभाग बताएगा। तालाब, झील, पोखर आदि की जानकारी जिला प्रशासन देगा, इसलिए यह बातचीत जरूरी है। फेज-2 में अधिकांश गांव गौतमबुद्ध नगर जिले के हैं। फेज-2 हापुड़ और बुलंदशहर सीमा तक पहुंच जाएगा। फेज-2 मास्टर प्लान लागू होने से गांवों के विकास का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

मास्टर प्लान तीन साल की देरी से तैयार हो रहा -ग्रेटर नोएडा के फेज-2 मास्टर प्लान की योजना 2007 में बनी थी। लंबे समय तक इस दिशा में कोई काम ही नहीं किया गया। तीन साल पहले ही मास्टर प्लान बनकर तैयार हो जाना चाहिए था। अब इस दिशा में तेजी आई है। उम्मीद है कि जल्द ही मास्टर प्लान बन जाएगा और उसे लागू किया जाएगा।

अतिक्रमण से परेशानी

मास्टर प्लान में देरी से तमाम दिक्कतें आ गई हैं। फेज-2 में अवैध निर्माण काफी हो गया है। गोदाम, वेयरहाउस, दुकान, स्कूल आदि बन गए। मास्टर प्लान के बाद परियोजनाओं को धरातल में उतारने पर ये निर्माण भी बाधा बन सकते हैं, इसलिए जरूरी है कि मास्टर प्लान तैयार करके उसे लागू कर दिया जाए।

भाजपा निकालेगी पांच जनआशीर्वाद यात्राएं, नड्डा और केन्द्रीय मंत्रीगण करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश के पांच स्थानों से जनआशीर्वाद यात्राएं निकाल जारी रही है जिनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इनमें जनता को बताया जाएगा कि केंद्र और राज्य सरकार ने उनके लिए क्या किया है। इन यात्राओं को शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय सडक परिवहन मंत्री नितिन गडकरी करेंगे।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने मंगलवार देरशाम को बताया कि प्रदेश में पांच जन आशीर्वाद यात्राएं विंध्य, महाकौशल, मालवा, ग्वालियर चंबल एवं बुन्देलखण्ड से निकलेंगी। पहली यात्रा विंध्य क्षेत्र के चित्रकूट से तीन सितम्बर को कामतानाथ का आशीर्वाद लेकर शुरू होगी, जिसका शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। यह यात्रा निवाड़ी से होते हुए भोपाल पहुंचेगी।

पहले तीन सितंबर को चित्रकूट से निकलने वाली यात्रा को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रवाना करने वाले थे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से अब वे इस कार्यक्रम में नहीं आ रहे हैं। अब उनकी जगह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 3 सितंबर को चित्रकूट आएंगे और यात्रा का शुभारम्भ करेंगे।

वहीं, दूसरी यात्रा महाकौशल के मंडला से पांच सितंबर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। यह यात्रा जबलपुर होते हुए भोपाल पहुंचेगी, जबकि तीसरी यात्रा इंदौर संभाग के खंडवा से 6 सितंबर को धूनी वाले बाबा का आशीर्वाद लेकर प्रारंभ होगी। इस यात्रा का शुभारंभ केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करेंगे।

अग्रवाल ने बताया कि चौथी यात्रा मालवा के नीमच से 4 सितम्बर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। वहीं, पांचवीं यात्रा ग्वालियर-चंबल संभाग के श्योपुर से पांच सितम्बर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।

भारत-चीन सीमा विवाद पर झूठ बोलती है सरकार : राहुल गांधी

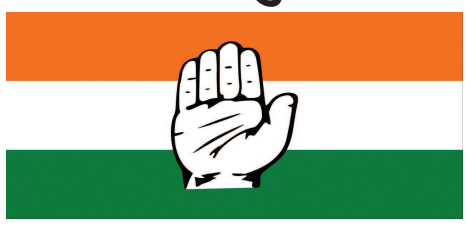

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज कहा कि भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर मोदी सरकार झूठ बोलती है। राहुल गांधी यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि चीन ने हमारी सीमा में अतिक्रमण किया है। यह बात पूरा लद्दाख जानता है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि लद्दाख में एक इंच भी ज़मीन नहीं गई है। यह झूठ है। पूरा लद्दाख जानता है कि चीन ने अतिक्रमण किया है। राहुल ने कहा कि चीन ने जो मानचित्र जारी किया है, वह गंभीर मामला है। इस पर प्रधानमंत्री को कुछ बोलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चीन ने हाल ही में अपना नक्शा जारी किया है, जिसमें वह अरुणाचल और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बता रहा है। इसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी की ओर से कल भी आपत्ति जताई गई थी। कल कांग्रेस ने कहा था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से चार दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात हुई। उसके बाद भारत सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर सख्त लहजे में चीन से बात की है। इस मुलाकात के बाद अब चीन ने एक नक्शा जारी किया है, जिसमें वह अरुणाचल और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बता रहा है। कल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछा था कि यह कैसा सख्त लहजा है कि चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा?

चंद्रयान-3 के रंभा पेलोड को चांद पर विरल प्लाज्मा मिला

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान के विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में प्लाज्मा का पता लगाया है, जो अपेक्षाकृत विरल है। चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगे हुए रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर- लैंगमुइर प्रोब (रंभा-एलपी) पेलोड ने दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के ऊपर सतह के निकट चंद्र प्लाज्मा वातावरण का पहली बार माप किया है। प्रारंभिक आकलन से संकेत मिला है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। ये मात्रात्मक माप संभावित रूप से उस शोर को कम करने में सहायता करते हैं जो चंद्र प्लाज्मा रेडियो तरंग संचार के दौरान उत्पन्न होते है।

इसरो ने कहा कि इसके अलावा, वे भविष्य में चंद्र आगंतुकों के लिए उन्नत डिजाइन में योगदान दे सकते हैं। रंभा-एलपी पेलोड एक लैंगमुइर प्रोब है जिसे तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (एसपीएल) द्वारा विकसित किया गया है।

यह चंद्रयान-3 लैंडर पर लगा है, जो 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा है। रंभा-एलपी पेलोड को चंद्र प्लाज्मा वातावरण के इन-सीटू माप करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अंतरिक्ष का वह क्षेत्र है जो चंद्रमा की सतह के सबसे समीप है और जहां चंद्र प्लाज्मा सबसे घना है।

रंभा-एलपी पेलोड चंद्र प्लाज्मा वातावरण में इलेक्ट्रॉन घनत्व, तापमान और विद्युत क्षेत्र की माप करेगा। रंभा-एलपी पेलोड के आंकड़ों के प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। इसका मतलब है कि अंतरिक्ष के इस क्षेत्र में ज्यादा इलेक्ट्रॉन नहीं हैं। चंद्र प्लाज्मा की विरलता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसी तरीके से प्रभावित करता है जिस तरीके से रेडियो तरंगें अंतरिक्ष के माध्यम से फैलती हैं। रम्भा-एलपी पेलोड द्वारा किया गया माप वैज्ञानिकों को चंद्र प्लाज्मा वातावरण को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। इसरो ने यह भी घोषणा किया कि चंद्रयान-3 इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि लैंडर पर चंद्र भूकंपीय गतिविधि (आईएलएसए) पेलोड - पहला माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) प्रौद्योगिकी- चंद्रमा पर आधारित उपकरण - ने रोवर और अन्य पेलोड गतिविधियों को रिकॉर्ड किया है।

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे विकास के घर पर दोस्त की हत्या, पिस्तौल बरामद

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दुबग्गा के बेगरिया में केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद कौशल किशोर के नए मकान में शुक्रवार की सुबह तड़के 4 बजे भाजपा कार्यकर्ता विनय श्रीवास्तव की पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक के सिर में गोली मारी गई है। पिस्टल सांसद के बेटे विकास किशोर की बताई जा रही है। परिजनों ने छह लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। मौके पर पहुंची ठाकुरगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी राहुल राज सहित पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बेगरिया निवासी विनय श्रीवास्तव (24) भाजपा कार्यकर्ता था। केंद्रीय राज्यमंत्री के बेटे विकास किशोर के साथ रहता था। शुक्रवार की सुबह तड़के 4 बजे विनय के सिर में पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव बेड के पास जमीन पर पड़ा था। मौके पर अजय रावत, अंकित वर्मा, शमीम बाबा, बंटी सहित दो अन्य अज्ञात लोग मौजूद थे। परिजनों ने अजय,अंकित और शमीम पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

कौशल ने पुलिस कमिश्नर को दी सूचना

कौशल किशोर ने घटना की जानकारी पुलिस कमिश्नर को दी जिसके बाद डीसीपी पश्चिमी राहुल राज, एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा, एसीपी चौक सुनील सिंह, एसीपी काकोरी अनूप सिंह फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल की।

मौके पर पहुंची ठाकुरगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी राहुल राज सहित पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

डीसीपी ने बताया कि तीनों नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

घर पर नहीं सांसद का बेटा विकास

सांसद का बेटा विकास कल रात दिल्ली में भर्ती अपनी माँ विधायक जय देवी को देखने चला गया था। विनय सांसद के नये मकान में विकास के साथ ही रहता था। छह लोग कल रात रुके थे। इनके खुलिफ़ ही तहरीर दी गई है। तीन हिरासत में ले लिए गये है।

नेहरू मेमोरियल म्यूजियम का नाम बदलने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लगाई मुहर

अब कहलाएगा पीएम संग्रहालय

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय करने को मंजूरी दे दी है। इसको लेकर शुक्रवार को एक गजट नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है।

14 अगस्त को बदला गया नाम

14 अगस्त को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय का नाम आधिकारिक तौर पर बदल कर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसाइटी किया गया था। इससे पहले जून में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित के एक बैठक में नेहरू स्मारक संग्रहालय करने के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी गई थी। अंत में राष्ट्रपति मुर्मू ने भी इसको मंजूरी दे दी है।

पीएम मोदी होंगे अध्यक्ष

केंद्र सरकार ने PMML सोसाइटी का पुनर्गठन किया है। अब इस सोसाइटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे। इसके

साथ ही, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल सोसाइटी के सदस्य होंगे। इनके साथ ही, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, प्रह्लाद पटेल, आईसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे आदी भी इसके सदस्य होंगे।

एक देश एक चुनाव को लेकर केंद्र ने कमेटी बनाई

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इसके अध्यक्ष होंगे; संसद के विशेष सत्र में बिल आ सकता है

नई दिल्ली। एक देश एक चुनाव पर केंद्र सरकार ने कमेटी बना दी है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। आज इसका नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। केंद्र सरकार ने 18 सितंबर से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संभव है कि एक देश एक चुनाव पर सरकार बिल भी ला सकती है।

केंद्र की बनाई कमेटी एक देश एक चुनाव के कानूनी पहलुओं पर गौर करेगी। साथ ही इसके लिए आम लोगों से भी राय लेगी।

इधर, कांग्रेस ने सरकार के फैसले का विरोध किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आखिर एक देश एक चुनाव की सरकार को

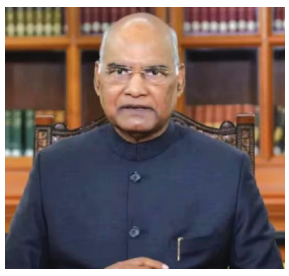

अचानक जरूरत क्यों पड़ गई।

सत्र में पांच बैठकें होंगी, पुराने संसद भवन में शुरू होकर नए में खत्म हो सकता है

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, 18 से 22 सितंबर तक दोनों सदनों का विशेष सत्र रहेगा। यह 17वीं लोकसभा का 13वां और राज्यसभा का 261वां सत्र होगा। इसमें 5 बैठकें होंगी। जोशी ने यह भी कहा कि सत्र बुलाने के पीछे कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने जानकारी के साथ पुराने संसद भवन की फोटो शेयर की है। माना जा रहा है कि सत्र पुराने संसद भवन से शुरू और नए में खत्म होगा।

एक साल में संसद के तीन सत्र होते हैं। बजट, मानसून और शीत सत्र। मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चला था। विशेष सत्र बुलाने की घोषणा मानसून सत्र के 3 हफ्ते बाद हुई है। विशेष सत्र मानसून सत्र के 37 दिन बाद होगा। जबकि शीतकालीन सत्र नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होना प्रस्तावित है।

5 दिन का सत्र और 5 संभावनाएं

1. महिलाओं के लिए संसद में एक-तिहाई अतिरिक्त सीट देना।
2. नए संसद भवन में शिफ्टिंग।
3. यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश हो सकता है।
4. लोकसभा-विधानसभा चुनाव साथ कराने का बिल आ सकता है।
5. आरक्षण पर प्रावधान संभव। (ओबीसी की केंद्रीय सूची के उप-वर्गीकरण, आरक्षण के असमान वितरण के अध्ययन के लिए 2017 में बने रोहिणी आयोग ने 1 अगस्त को राष्ट्रपति को रिपोर्ट दी है।)

अमेजन के मैनेजर हरप्रीत गिल हत्याकांड में अब तक 4 गिरफ्तार, 1 आरोपी अभी फरार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने भजनपुरा इलाके में अमेजन के मैनेजर हरप्रीत गिल (36) की हत्या के मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड में अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस अभी फरार चल रहे पांचवें आरोपी अदनान की तलाश में जुटी है। हरप्रीत और उनके 32 वर्षीय मामा गोविंद सिंह को मंगलवार रात करीब 11:30 बजे भजनपुरा के सुभाष विहार में गोली मार दी गई थी। हरप्रीत और गोविंद दोनों बाइक पर घर से निकले थे।

पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोहेल और जुबैर के रूप में हुई है, जिन्हें गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में बुराड़ी के पास से पकड़ा गया, जब वे दिल्ली से पंजाब भागने की कोशिश कर रहे थे।

डीसीपी (नॉर्थ ईस्ट) जॉय टिर्की ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि भजनपुरा हत्याकांड के सिलसिले में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे सोहेल उर्फ चौधरी और जुबैर उर्फ कसावरा (दोनों 23 साल) नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही हमने अब इस हत्याकांड में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और पांचवें आरोपी को भी पकड़ने

की कोशिश की जा रही है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हरप्रीत गिल मर्डर केस के आरोपी बिलाल गनी (18) को मंगलवार देर रात 2 बजे सिग्नेचर ब्रिज के पास से पकड़ा गया था, जबकि मोहम्मद समीर उर्फ माया को स्पेशल सेल ने बुधवार रात को गिरफ्तार किया। बिलाल भजनपुरा के सुभाष मोहल्ला का रहने वाला है।

डीसीपी टिर्की ने बताया कि मंगलवार रात हरप्रीत गिल और गोविंद सिंह दोनों मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे, इसी दौरान एक स्कूटर और मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए हमलावरों ने उन्हें रोकने के बाद गोली मार दी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी बिलाल गनी और उसके साथी मोहम्मद समीर (18), सोहेल (23), मोहम्मद जुनैद (23) और अदनान (19) भजनपुरा के उत्तरी घोंडा इलाके में पार्टी कर रहे थे। रात लगभग 10:30 बजे वे सभी दो स्कूटरों पर सवार होकर वहां से निकल गए। उन्होंने बताया कि वे बीच में कई जगहों पर रुके भी और फिर एक संकरी गली में जाने लगे। इस गली से दो मोटरसाइकिल एक साथ नहीं गुजर सकतीं। उन्होंने बताया कि दूसरी तरफ से हरप्रीत गिल और गोविंद सिंह आ रहे थे। उन्होंने बताया कि रास्ता देने को लेकर दोनों पक्षों में बहस हो गई और इस पर गनी तथा उसके साथी आक्रामक हो गए तभी जुनैद ने हरप्रीत को थप्पड़ मार दिया। इसी दौरान समीर ने उन दोनों को गोली मार दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से बिलाल गनी समेत सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई। पुलिस के मुताबिक, भजनपुरा में वेल्डिंग की दुकान पर काम करने वाला गनी रविवार को ही 18 वर्ष का हुआ है। वह 2022 में भजनपुरा में हत्या और डकैती मामले में भी आरोपी रहा है। पुलिस ने बताया कि उस समय नाबालिग होने के कारण वह बाल सुधार गृह से बाहर आ गया था।

मणिपुर में जल्द रुके हिंसा, मैरीकॉम ने केंद्रीय मंत्री शाह को लिखा पत्र

इंफाल । मणिपुर में जारी हिंसा को रोकने के उद्देश्य से बॉक्सिंग स्टार एमसी मैरीकॉम ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। मैरीकॉम ने पत्र में मांग की है कि मणिपुर में शांति स्थापित की जाए। मणिपुर के गावों में शांति स्थापित हो और लोगों की सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए जाए। मैरी कॉम ने केंद्रीय मंत्री शाह को पत्र लिखा है ताकि मणिपुर के कोम गांवों में हो रही घुसपैठ को रोका जा सके। साथ ही ये सुनिश्चित किया जा सके कि दो समूह जिनके बीच युद्ध की स्थिति बनी हुई है, वे गांव में घुसपैठ ना करें। शाह से उन्होंने कहा कि कौम समुदाय मणिपुर की स्वदेशी जनजाति है। ये अल्पसंख्यकों में सबसे छोटी जनजाति में शामिल है। उन्होंने अपने पत्र में स्थिति का ब्यौरा देकर लिखा कि हम सभी दो प्रतिद्वंद्वी समुदायों के बीच बिखरे हुए हैं... दोनों तरफ से मेरे समुदाय की सुरक्षा पर आंच आने का खतरा बना रहता है। कौम समुदाय के खिलाफ हमेशा अटकलें और संदेह की स्थिति बनी रहती है। हम सभी समस्याओं के बीच में फंसे हुए हैं... कमजोर आंतरिक प्रशासन और एक समुदाय के रूप में छोटे आकार के कारण अल्पसंख्यक जनजातियाँ, हम अपने अधिकार क्षेत्र में घुसपैठ करने वाली किसी भी ताकत के खिलाफ खड़े होने में सक्षम नहीं हैं। अपने पत्र में पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता मैरी कॉम ने कहा, हम दोनों युद्धरत समूहों को कोम गांवों में घुसपैठ से रोकने के लिए सुरक्षा बलों की मदद चाहते हैं। पूर्व राज्यसभा सदस्य ने भारतीय सेना, अर्धसैनिक बल और राज्य बलों के सभी तैनात सदस्यों से अनुरोध किया कि वे आबादी की सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में निष्पक्ष रहें और राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बनाए रखने में सफल हों। बता दें कि मणिपुर के बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों में पिछले 72 घंटों के दौरान कुकी और मेइती के बीच लगातार गोलीबारी के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और दो सुरक्षाकर्मियों सहित 18 अन्य घायल हो गए।

केरल में 10 दिनों में 759 करोड़ की शराब की बिक्री हुई

तिरुवनंतपुरम । राज्य में शराब और बीयर के एकमात्र थोक विक्रेता बेवको ने कहा ?कि 21 अगस्त से शुरू हुए दस दिवसीय ओणम समारोह के दौरान केरल में शराब की बिक्री 759 करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। पिछले साल यह आंकड़ा 700 करोड़ रुपए था। संयोग से उत्सव के दौरान जहां लोगों ने 759 करोड़ रुपए की शराब गटक ली, वहीं राज्य सरकार करों के माध्यम से 675 करोड़ रुपए मिले हैं। राज्य के लिए खुश होने के और भी कारण थे क्योंकि त्रावणकोर शुगर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की जवान रम हॉट केक की तरह स्टॉक से खत्म हो गई। उत्सव के दौरान शराब की सबसे अधिक बिक्री सोमवार को पहले ओणम के दिन दर्ज की गई। इस दिन करीब 116 करोड़ रुपए की शराब बिकी थी। बेवको के मुताबिक उस दिन छह लाख लोगों ने शराब खरीदी। अगस्त में शराब की कुल बिक्री 1,799 करोड़ रुपए तक पहुंच गई, जो पिछले साल इसी महीने में 1,522 करोड़ रुपए थी।

फिल्म मेकर का आरोप, 27 साल से उनके 2 करोड़ रुपए दबाए बैठे सनी देओल

मुंबई । फिल्म मेकर सुनील दर्शन ने अभिनेता सनी देओल पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं। दर्शन का कहना है कि सनी 27 साल से उनके 2 करोड़ रुपए दबाए बैठे हैं। इसके लिए उन्होंने कोर्ट में भी केस किया हुआ है। सुनील का कहना है कि एक दिन बाद पैसा देने की बात कहकर 1996 में उनसे सनी ने फिल्म ने प्रिंट लिए थे। वहां एक दिन अब तक नहीं हुआ है। सुनील दर्शन ने इंटरव्यू में कहा, साल 1996 में सनी ने अपनी फिल्म अजय की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने मुझसे फिल्म अजय के लिए ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन के राइट्स मांगे। उन्होंने मुझसे कहा कि वे पैसों का बंदोबस्त करने लंदन जा रहे हैं। पैसों का इंतजाम होते ही वे मुझसे फिल्म की प्रिंट खरीद लूंगा। उनका आदमी प्रिंट की डिलीवरी लेने आया लेकिन पेमेंट नहीं लाया। सनी ने कहा कि लंदन में क्रिसमस की छुट्टी पर बैंक बंद है, इसलिए पैसों का बंदोबस्त नहीं हुआ। एक दो दिन में वहां पैसा दे दूंगा। मैंने उन पर विश्वास करके प्रिंट दे दिया। सुनील ने कहा कि कुछ दिन बाद मैंने सनी से अपना पैसा मांगना शुरू किया। मैं कई महीनों तक सनी से पैसे मांगता रहा। मैं लगातार उनके सेट पर जाता लेकिन वे बहाना करके टालते रहते। दर्शन ने कहा कि 4 साल तक वे सनी के पीछे भागते रहे। जब सनी ने किसी भी तरह पैसा नहीं दिया, तब मैंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

तीन दिन दिल्ली में नहीं रहेगा लाकडाउन, जरुरी सेवाएं रहेगी चालू

नई दिल्ली । जी20 सम्मेलन के लिए राजधानी दिल्ली दुल्हन की तहर तैयार है। 9 और 10 सितंबर को होने जा रहे सम्मेलन के लिए दिल्ली में 3 दिन का सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इन छुट्टियों को दिल्ली में तीन दिन का लॉकडाउन भी बताया जा रहा है। कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि क्या दूध, सब्जी, दवा जैसी रोजमर्रा की जरूरी चीजों की दुकानें भी बंद रहेंगी? यदि आपके मन में भी इसकी चिंता है, तब इस दूर कर लीजिए। दिल्ली पुलिस ने साफ किया है कि जरूरी सेवाओं और वस्तुओं की आपूर्ति पर किसी तरह का कोईप्रतिबंध नहीं है। सब्जी, किराना, दूध और दवा जैसी चीजों की दुकानें खुली रहेंगी। यदि आप नई दिल्ली क्षेत्र में रहते हैं फिर भी टेंशन लेने की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा अस्पताल, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट जाने से भी नहीं रोका जाएगा। हालांकि, इसके लिए रूट में कुछ बदलाव जरूर किए गए हैं। हालांकि, गैर जरूरी कामों के लिए बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है। शॉपिंग करना चाहते हैं या दिल्ली में कहीं घूमना चाहते हैं, तब 8-10 सितंबर के बीच ऐसा करने से परहेज करें। हालांकि, सार्वजनिक परिवहन की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। मेट्रो नियमित रूप से चलेगी और बसों से आप सफर कर पाएंगे। लेकिन कोशिश करें कि जरूरी काम होने पर ही बाहर निकलें। यदि मेडिकल इमर्जेंसी की नौबत है, तब आप किसी भी रूट पर निकल सकते हैं। यह साफ किया गया है कि एंबुलेंस या मरीजों को ले जा रहे दूसरे वाहनों को कहीं भी रोका नहीं जाएगा। जरूरत पड़ने पर पुलिस ग्रीन कॉरिडोर भी बना सकती है। 7 से 11 सितंबर तक कुछ संसाधनों और रास्तों पर कुछ प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। हालांकि, हवाई अड्डे, रेलवे, मेट्रो सेवाएं, अंतरराज्यीय और सिटी बसें, टीएसआर-टैक्सियां सामान्य रूप से चालू रहेंगी। अंतरराज्यीय बसों को भी प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, नई दिल्ली क्षेत्र में बस सेवा उपलब्ध नहीं होगी। दिल्ली मेट्रो सेवा और सार्वजनिक परिवहन कुछ पाबंदियों के साथ उपलब्ध होंगे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चों को माता-पिता की संपत्ति मिलेगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि शून्य या अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चे अपने माता-पिता की संपत्ति में हिस्सा पाने के हकदार हैं। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल हिंदू मिताक्षरा कानून द्वारा शासित हिंदू संयुक्त परिवार की संपत्तियों पर लागू है। यह फैसला भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने रेवनासिद्दप्पा बनाम मल्लिकार्जुन (2011) मामले में दो-न्यायाधीशों की पीठ के फैसले के संदर्भ में दिया था, जिसमें कहा गया था कि शून्य/अस्थिर विवाह से पैदा हुए बच्चे अपने माता-पिता की संपत्ति चाहे स्व-अर्जित हो या पैतृक को प्राप्त करने के लिए हकदार हैं। हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 16(3) की व्याख्या के अनुसार अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चों को वैधता प्रदान की जाती है। लेकिन धारा 16(3) कहती है कि ऐसे बच्चों को केवल अपने माता-पिता की संपत्ति विरासत में मिलेगी और अन्य सहदायिक शेयरों पर उनका कोई अधिकार नहीं होगा। पीठ ने बताया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 6 के अनुसार, हिंदू मिताक्षरा संपत्ति में सहदायिकों के हित को उस संपत्ति के हिस्से के रूप में परिभाषित किया गया है जो उन्हें आवंटित किया गया होता यदि संपत्ति का विभाजन ठीक पहले हुआ होता।

विपक्षी गठबंधन एकजुट होकर काम कर रहा, नतीजा भाजपा की हार के रूप में सामने आएगा: नीतीश

मुंबई (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' में शामिल सभी घटक दल मिलकर और एकजुट होकर काम कर रहे हैं तथा इसका फलसफा आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के रूप में सामने आएगा। विपक्षी गठबंधन की यहां आयोजित दो दिवसीय बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब इसके घटक दलों के नेता देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर प्रचार-प्रसार करेंगे। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव निर्धारित समय से पहले कराए जाने की आशंका भी जताई और कहा कि विपक्षी गठबंधन को इसके लिए मुस्तैद रहना होगा। नीतीश ने कहा, ''आज 'इंडिया' की तीसरी बैठक थी। बहुत अच्छे ढंग से बातचीत हुई है।

अब नियमित रूप से जगह-जगह जाकर प्रचार-प्रसार करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''जितनी पार्टियां एकजुट होकर काम कर रही हैं, इसी का नतीजा होगा कि अभी जो केंद्र की सत्ता में हैं अब वह हारेंगे, अब वह जाएंगे। ये पक्का जान लीजिए।'' नीतीश ने कहा कि पटना से शुरू हुई बैठक के बाद यह सफर मुंबई पहुंचा है, लिहाजा वह चाहते हैं कि अब आगे का काम तेजी से हो। उन्होंने कहा, ''हम लोगों ने तेजी से काम करने की शुरुआत कर दी है। कोई ठिकाना नहीं है, चुनाव समय के पहले भी हो सकते हैं। इसलिए हम लोगों को भी सतर्क रहना पड़ेगा।'' उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार पर इतिहास बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावे के साथ कहा कि विपक्षी गठबंधन किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' के बैनर तले, ''समाज के हर तबके का उत्थान होगा, किसी की कोई उपेक्षा नहीं होगी।''

जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश ने सत्ताधारी भाजपा पर साम्प्रदायिक राजनीति करने भी आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'सबको लेकर' आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अभी तो मीडिया पर भी सत्ताधारी पार्टी का 'कब्जा' है लेकिन एक बार उनसे (वर्तमान केंद्र सरकार से) 'मुक्ति' मिलेगी तो आप सब प्रेस वाले 'आजाद' हो जाइएगा। उन्होंने कहा, ''फिर जो उचित लगेगा, वही लिखिएगा, वही बोलिएगा। यह बहुत जरूरी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने लगाई मोहर, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय अब प्रधानमंत्री संग्रहालय

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय करने को मंजूरी दे दी है। इस लेकर शुक्रवार को एक गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। 14 अगस्त को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय का नाम आधिकारिक तौर पर बदल कर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी किया गया था। इसके पहले जून में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित के एक बैठक में नेहरू स्मारक संग्रहालय करने के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी गई थी। अंत में राष्ट्रपति मुर्मू ने भी इस मंजूरी दे दी है। केंद्र ने पीएमएमएल सोसाइटी का पुनर्गठन किया है। अब इस सोसाइटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। इसके साथ ही, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल सोसाइटी के सदस्य हैं। इनके साथ ही, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, प्रह्लाद पटेल, आईसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्रबुद्धे आदी भी इसके सदस्य हैं।

अकालियों ने अपना विकल्प खुला रखा है, बीजेपी और इंडिया गठबंधन दोनों पर साध रही निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की लड़ाई की रूपरेखा तैयार हो रही है, भाजपा की पूर्व सहयोगी शिरोमणि अकाली दल फिलहाल खुद को न तो सत्तारूढ़ दल के खेमे में पाती है और न ही 28 विपक्षी दलों के भारतीय गुट में। एक समय पंजाब की सत्ताधारी पार्टी रही है। अकाली दल के पूर्व सांसद नरेश गुजराल, प्रेम सिंह चंदूमाजरा और बलविंदर सिंह भुंडर ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि अकाली दल भारत गठबंधन में शामिल हो सकता है, लेकिन शर्तों के साथ। उनका बयान तब आया जब पार्टी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर अपने हमले जारी रखे। कांग्रेस और आप विपक्षी गठबंधन का हिस्सा हैं।

अकाली दल ने 2022 के विधानसभा चुनावों में सिर्फ तीन सीटें जीतीं, जो उसकी अब तक की सबसे कम सीटें हैं, जो पांच साल पहले की 15 सीटों से कम है। पिछले दो संसदीय चुनावों की तुलना में लोकसभा चुनावों में भी उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसने 2014 में 26.3प्र. वोट शेयर के साथ पंजाब के 13 विधानसभा क्षेत्रों में से चार में जीत हासिल की, जबकि 2019 में वोट शेयर में 27.45प्र. की मामूली वृद्धि के बावजूद इसकी संख्या घटकर दो रह गई। बादल ने बुधवार को संगरूर जिले में संवाददाताओं से कहा कि आगामी संसदीय चुनावों के लिए अकाली दल के पास कई विकल्प हैं। हम उस गठबंधन में शामिल होंगे जिससे, हमारे अनुसार, पंजाब को सबसे अधिक फायदा होगा। हम यह देखने के लिए अपना आंतरिक मूल्यांकन कर रहे हैं कि कौन सा गठबंधन पंजाब के लिए सबसे अच्छा होगा क्योंकि राष्ट्रीय स्तर के गठबंधनों ने पंजाब को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। उदाहरण के लिए, कांग्रेस ने पंजाब को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया, नरसंहार भी किया।

अगले दिन, बादल ने अमृतसर जिले के बाबा बकाला शहर में एक सार्वजनिक बैठक में भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। बीजेपी पर निशाना साधते हुए अकाली नेता ने कहा, 'बाबरी मस्जिद पर हमले के पीछे बीजेपी का हाथ था. कई साल हो गए हैं जब बीजेपी को मुस्लिम वोट नहीं मिले हैं।

दिल्ली में शिवलिंग के आकार वाले फव्वारे, आप ने लगाया हिन्दु धर्म का अपमान

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही है। दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। सभी विभाग लगातार जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां में जुटे हुए है। इस बीच दिल्ली में नया बवाल शुरू हो गया है। दिल्ली में इस दौरान शिवलिंग के आकार वाले फव्वारे लगाए गए है।

इन फव्वारों को लगाने के बाद आम आदमी पार्टी ने इन फव्वारों को लेकर बवाल शुरू कर दिया है। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना और आप ने आरोप लगाया कि उन्होंने भगवान का अपमान किया है। इस संबंध में उपराज्यवाल सक्सेना का भी बयान सामने आ गया है। दिल्ली में लगाए गए फव्वारों को लेकर उन्होंने कहा कि ये एक तरह की कलाकृति है और ये शिवलिंग नहीं है। दिल्ली में नौ से 10 सितंबर तक होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए ही कई तैयारियां हो रही है। इन तैयारियों में ही दिल्ली को भी नया स्वरूप दिया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली के कई हिस्सों की सुंदरता बढ़ाने के लिए कई बदलाव किए गए है। इसी कड़ी में पालम हवाई अड्डे के पास स्थित हनुमान मंदिर इलाके में ही शिवलिंग के आकार के फव्वारे लगाए गए है। इन फव्वारों को लगाए जाने के बाद आप ने इन्हें लेकर आपत्ति जाहिर की है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद व प्रवक्ता संजय सिंह ने पोस्ट किया कि भाजपा को देश से इस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। वहीं उन्होंने उपराज्यपाल के खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की है। आप नेता सिंह ने कहा, मोदी जी के नेतृत्व में शिवलिंग का अपमान किया गया और भाजपा के नेता मोदी की तारीफ कर रहे हैं। उपराज्यपाल शिवलिंग का अनादर करके वाहवाही लूट रहे हैं। 'आप' के विधायक दुर्गेश पाठक ने भाजपा पर शिवलिंग को फव्वारे में बदलकर करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''एनडीएमसी क्षेत्र केंद्र सरकार के अंतर्गत आता है और एनडीएमसी क्षेत्र में चौराहों पर शिवलिंग के आकार के फव्वारे लगाए गए हैं। मानो यह अपमान पर्याप्त नहीं था, इन फव्वारों को लगाने के लिए भाजपा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से प्रधानमंत्री को बधाई दी जा रही है। इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता।''

अगस्त में जीएसटी कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली । बीते महीने अगस्त में गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) का कलेक्शन साल दर साल के आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ा है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने बताया कि बढ़ते अनुपालन और कम चोरी के कारण जीएसटी के कलेक्शन में ये वृद्धि देखी गई है। बता दें कि अगस्त 2023 में गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपये रहा जो अगस्त 2022 में 1,43,612 करोड़ रुपये था। बता दें कि राजस्व सचिव मल्होत्रा अगस्त के लिए अपेक्षित जीएसटी रेवेन्यू संख्या पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसका डेटा शुक्रवार शाम तक जारी किया जाएगा। मल्होत्रा ने कहा कि जून तिमाही के दौरान जीएसटी राजस्व 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया।

चांद पर भूकंप, भूकंपीय गतिविधि का अध्ययन कर रहा लैंडर

बेंगलुरु (एजेंसी)। चंद्रमा की सतह पर प्रज्ञान रोवर का 'सर्च ऑपरेशन' जारी है। रोवर चंद्रमा पर मौजूद तत्वों से लेकर हर दिन नए-नए खुलासे कर रहा है। इसरो ने बड़ा अपडेट देकर कहा, ÷चंद्रयान-3 लैंडर पर रंभा-एलपी पेलोड द्वारा दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर सतह चंद्र प्लाज्मा वातावरण इंगित करता है कि वहां प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। इस बीच, चंद्र भूकंपीय गतिविधि का अध्ययन करने के लिए चंद्रयान 3 लैंडर पर आईएलएसए पेलोड ने न केवल रोवर और अन्य पेलोड की गतिविधियों को रिकॉर्ड किया है, बल्कि 26 अगस्त को एक घटना भी दर्ज की है, जो प्राकृतिक प्रतीत होती है। इसरो ने कहा, इस घटना के स्रोत की जांच की जा रही है।

इसरो ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा, रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव आयनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर-लैंगमुइर प्रोब (रंभा-एलपी) पेलोड ऑनबोर्ड चंद्रयान-3 लैंडर ने दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में निकट-सतह चंद्र प्लाज्मा वातावरण का पहला माप किया है। प्रारंभिक मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है।ये मात्रात्मक माप संभावित रूप से उस शोर को कम करने में सहायता करते हैं जो चंद्र प्लाज्मा रेडियो तरंग संचार में पेश करता है। इसरो ने कहा, इसके अलावा, वे आगामी चंद्र आगंतुकों के लिए उन्नत डिजाइन में भी योगदान दे सकते हैं।' लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान दोनों में एक दूसरे की 'सच्चाई को धरती पर भेजने की जैसे होड़ लग गई है। बुधवार को प्रज्ञान ने विक्रम की तस्वीर भेजी थी, तब गुरुवार को विक्रम ने प्रज्ञान का मजेदार वीडियो भेजा।

गुजरात भाजपा ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार का समर्थन किया, कांग्रेस ने इसे 'चाल' बताया

प्रयागराज (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गुजरात इकाई ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार पर केंद्र द्वारा जोर दिए जाने का समर्थन किया है और कहा है कि लगातार चुनाव होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं और परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है। हालांकि, विपक्षी दल कांग्रेस ने इस कदम को महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की ''चाल'' बताया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष सी. आर. पाटिल ने कहा कि लोकसभा एवं विधानसभा के एकसाथ चुनाव से न सिर्फ जनता बल्कि सरकार को भी समय और धन की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इससे परियोजनाओं की लागत घटाने में मदद मिलेगी, जिनके काम हर चुनाव से पूर्व आचार संहिता लागू होने के कारण रुक जाते हैं। कांग्रेस ने इस विचार को बढ़ती महंगाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए भाजपा की एक ''चाल'' बताया है।

केंद्र सरकार ने ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' की संभावनाओं का पता लगाने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। नयी दिल्ली में सूत्रों ने कहा कि कोविंद इस कवायद और तंत्र की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे कि देश में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कैसे कराये जा सकते हैं। देश में 1967 तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव एकसाथ हुए थे। पाटिल ने सूरत में पत्रकारों से कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इससे पहले भी ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' के लाभ के बारे में विस्तार से बात कर चुके हैं और उन्होंने यह भी बताया कि इस तरह की प्रणाली नहीं होने के नुकसान क्या हैं। चूंकि हम ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' प्रणाली का पालन नहीं करते हैं, इसलिए देश में हर साल चुनाव होते रहते हैं और सरकारी अधिकारी इस प्रक्रिया में व्यस्त रहते हैं।''

भाजपा नेता ने दावा किया कि इन चुनावों के दौरान लगातार आदर्श आचार संहिता लागू होने से कई विकास कार्य रुक जाते हैं जिससे लोग समय पर इसके लाभ से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा, ''इससे परियोजनाओं की लागत भी बढ़ती है और अनियमितताओं के लिए द्वार भी खुलते हैं। पूर्व में भी हमारे प्रधानमंत्री ने विभिन्न दलों के साथ साथ आम लोगों से इस विषय पर विस्तार से चर्चा की कि हम कैसे ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' प्रणाली का पालन करके इस वित्तीय बोझ से बच सकते हैं और समय बचा सकते हैं।'' सूरत से लोकसभा सदस्य ने कहा कि सभी पार्टियों को इस पर राजनीति करने के बजाय ''राष्ट्रीय हित'' में एक साथ लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव के विचार का समर्थन करना चाहिए। कांग्रेस की गुजरात इकाई के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने एकसाथ चुनाव के विचार पर असहमति जताई और इस कदम को लोकसभा चुनाव से पहले प्रमुख मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा की एक ''चाल'' बताया। गोहिल ने द्वारका में कहा, ''पहली बात तो यह कि अभी कोई ठोस प्रस्ताव नहीं है। आप महंगाई और चीन की घुसपैठ जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसा प्रस्ताव लाकर चाल चल रहे हैं।

कांग्रेस का आरोप, भारत की आर्थिक वृद्धि दर के आंकड़े बढ़चढ़कर बताए जा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चाल वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी होने का दावा करने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर पलटवार कर कहा कि आंकड़े बढ़ा चढ़ाकर बताए हैं। वर्तमान रुझानों के अनुसार, वर्ष 2022-23 के लिए विकास दर 6 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, और बढ़ती असमानता के कारण इस निराशाजनक जीडीपी वृद्धि से भी अधिकांश भारतीयों की आय में वृद्धि नहीं होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, पिछली शाम सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के तिमाही आंकड़ों के सामने आने के बाद कहा कि यह कड़वी सच्चाई है कि आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। महंगाई के कारण उपभोग वृद्धि काफी पीछे है, खासकर ग्रामीण भारत में। आयात वृद्धि निर्यात में वृद्धि से आगे जा रही है। जो भी दावे हैं, उनके विपरीत विनिर्माण वृद्धि अभी भी नहीं बढ़ी है। उन्होंने जोर दिया कि मानसून की कमी का प्रभाव दूसरी तिमाही से दिखना शुरू होगा और वर्तमान रुझानों के अनुसार, वर्ष 2022-23 के लिए विकास दर 6 प्रतिशत के आसपास रहेगी है। रमेश ने कहा, बढ़ती असमानता के साथ, 6 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि से भी अधिकांश भारतीयों की आय में वृद्धि नहीं होगी। उन्होंने अपने दावों के समर्थन में जीडीपी आंकड़ों की दो तालिकाएं भी संलग्न कीं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा साझा किया गया सरकारी डेटा के अनुसार चालू वित्त वर्ष (2023-2024) की अप्रैल-जून तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। हालांकि, 2022-23 की जनवरी-मार्च अवधि में दर्ज की गई 6.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में, 2023-24 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 7.8 प्रतिशत अधिक थी।

बयान में कहा गया है, वास्तविक जीडीपी या स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीडीपी 2023-24 की पहली तिमाही में 40.37 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 2022-23 की पहली तिमाही में यह 37.44 लाख करोड़ रुपये थी, जो 2022-23 की पहली तिमाही में 13.1 प्रतिशत की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। आंकड़ों से पता चलता है कि कृषि, खनन, विनिर्माण, बिजली, निर्माण, होटल और परिवहन जैसी सभी गतिविधियों में 2022-23 की पहली तिमाही के मुकाबले 2023-24 की पहली तिमाही में गिरावट देखी गई। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के अनुसार, 2023-24 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जपोरिजिया में चुनाव करने की तैयारी में पुतिन

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग को 555 दिन हो चुके हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक ऐलान ने हर किसी को चौंका दिया है। पुतिन ने यूक्रेन के चार राज्यों में चुनाव का ऐलान किया है। जनमत संग्रह के बाद रूस में शामिल हो चुके डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जपोरिजिया में चुनाव होगा। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेन में जापोरिज़िया और डोनेट्स्क क्षेत्रों के रूसी-नियंत्रित क्षेत्रों में 31 अगस्त को मतदान शुरू हुआ। चुनाव आयोग के सदस्य दोनों क्षेत्रों के 375 गांवों में घर-घर जाकर वोट एकत्र कर रहे हैं और उनका लक्ष्य 214,000 से अधिक लोगों को कवर करना है। मतदान अगले सप्ताहांत तक चलेगा। रूस ने एक साल पहले घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और ज़ापोरीज़िया क्षेत्रों पर कब्ज़ा कर रहा है, जबकि उसने उन पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं किया था। मई में रूसी सांसदों ने मार्शल लॉ के तहत चुनाव कराने की अनुमति देने के उपाय पारित किए। लुहांस्क और खेरसॉन के कब्जे वाले क्षेत्रों में इस सप्ताह से स्थानीय संसद और नगरपालिका कार्यालयों के लिए चुनाव शुरू होगा। रूस में 10 सितंबर को क्षेत्रीय, नगरपालिका और कुछ संघीय चुनाव हो रहे हैं। रूस में प्रारंभिक मतदान असामान्य नहीं है।

पीएम मोदी के प्रशंसक रामास्वामी ने पुतिन को दिया आफर

वाशिंगटन । भारतीय मूल के अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा कर उन्होंने भारत प्रशांत क्षेत्र में चीन को रोकने में भारत की भूमिका पर जोर दिया है। रामास्वामी ने कहा कि जो बाइडेन के कार्यकाल के दौरान भारत के साथ विश्वसनीयता थोड़ा कम रहा है, जिस वे राष्ट्रपति बनने के बाद बढ़ाएंगे। रामास्वामी ने कहा है कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ समझौते पर बातचीत करना चाहते हैं। रामास्वामी ने कहा कि वह यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से तभी रोकूंगा जब रूस चीन के साथ सैन्य संबंध बचाएगा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भी तंज कर दावा किया कि अमेरिका ने रूस को चीन की गोद में धकेल दिया है। चीन और रूस स्पष्ट रूप से अभी दो रणनीतिक चुनौती, विरोधी हैं। इन दोनों से निपटने के लिए भारत के साथ संबंध काफी महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि चीन और रूस हमेशा आगे नहीं बढ़ने वाले हैं, और वहां अवसर हैं लेकिन कुल मिलाकर हमें इस पर नजर रखनी चाहिए कि वे क्या कर रहे हैं। अमेरिकी सांसद ने कहा कि अमेरिका को यह उम्मीद नहीं रखनी चाहिए कि चीन के साथ संघर्ष के दौरान भारत मलक्का जलसंधि अवरुद्ध कर देगा लेकिन वह बीजिंग के ताइवान पर हमला करने पर दो मोर्चों पर युद्ध शुरू करने के लिए लद्दाख तथा अरुणाचल प्रदेश में अपनी सीमाओं पर आक्रामक रुख अपना सकता है।

सिंगापुर में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान, भारतीय मूल शनमुगरत्नम दौड़ में सबसे आगे

कुआललांपुर । सिंगापुरवासी एक दशक से भी अधिक समय में देश के पहले राष्ट्रपति चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान कर रहे हैं। यह त्रिकोणीय मुकाबला है, जिसमें पूर्व मंत्री थर्मन शनमुगरत्नम सिंगापुर में जन्मे भारतीय मूल के अगले राज्य प्रमुख बनने की उम्मीद कर रहे हैं। एक अन्य राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 75 वर्षीय पूर्व बीमा कार्यकारी टैन किन लियान हैं, जिन्हें कई विपक्षी दलों का समर्थन प्राप्त है। 2.7 मिलियन से अधिक सिंगापुरवासियों के मतदान करने की उम्मीद है और मतदान केंद्र रात 8 बजे तक खुले रहेगा। जिसके बाद वोटों की गिनती शुरू होगी। नतीजे आधी रात तक सामने आ जाएंगे। राजनीति में 2001 में आए शणमुगारत्नम ने दो दशकों से अधिक समय तक सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) के साथ सार्वजनिक क्षेत्र और मंत्री पदों पर कार्य किया है। शणमुगारत्नम के अलावा चीनी मूल के सिंगापुरी एन.कोक सोंग और टेन किन लियान राष्ट्रपति पद के लिए अन्य दावेदार हैं।

अमेरिका की वित्त मंत्री येलेन करेगी भारत की यात्रा

वाशिंगटन । अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन नई दिल्ली जाएगी और सात से दस सितंबर तक आयोजित हो रहे जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। इस दौरान जेनेट अमेरिका के सहयोगी देशों को यूक्रेन के लिए सामूहिक आर्थिक सहयोग बनाए रखने के वास्ते एकजुट रहने पर जोर देंगी साथ ही अपने भारतीय समकक्षों के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत करेंगी। इस साल यह भारत की उनकी चौथी यात्रा होगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान येलेन वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और निम्न तथा मध्यम आय वाले देशों का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। वित्त मंत्रालय ने कहा, ''दिल्ली यात्रा के दौरान येलेन यूक्रेन के लिए हमारे सामूहिक आर्थिक समर्थन को बनाए रखने के लिए अमेरिका के साझेदारों को एकजुट करना जारी रखेंगी। वह रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के महत्व पर भी चर्चा करेंगी।

अग्निपथ लागू होने से नेपाली गोरखा सैनिकों की भर्ती रुकी

-भारत और नेपाल के संबंधों पर पड़ा असर

काठमांडू । अग्निपथ योजना के लागू होने के बाद सेना के अंदर अपनी वीरता के लिए मशहूर नेपाली गोरखा सैनिकों की भर्ती रुक गई है। नेपाल सरकार और गोरखा सैनिक अग्निपथ योजना से सहमत नहीं हैं। वे भारतीय सेना में भर्ती की पुरानी व्यवस्था को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। गोरखा सैनिकों की भर्ती का मामला अब भारत और नेपाल के बीच रिश्तों में द्ववाद बढ़ा रहा है। वह भी तब जब भारत और नेपाल के बीच कालापानी सीमा द्ववाद पहले से ही बढ़ा हुआ है। नेपाली नेताओं का कहना है कि भारत का यह फैसला हैरान करने वाला है और संधि का उल्लंघन है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि भारत ने सेना की भर्ती में बदलाव करते समय न हम से पूछा और न ही उन्हें इसकी सूचना दी। नेपाल के वि?देश मंत्री एनपी सौद कहते हैं, हमारी नीति रही है कि अगर भारत, नेपाल और ब्रिटेन के बीच हुई संधि में कोई बदलाव होता है, तब इस राजनीतिक सहमति से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोरखा सैनिकों की भर्ती को रोका गया है। भारत में अग्निपथ स्कीम के शुरू होने का नेपाल के ज्यादातर राजनीतिक दलों ने कड़ा द्ववरोध किया है। आलम यह है कि भारत समर्थक प्रचंड सरकार के लिए अब अग्निपथ पर आम सहमति बनाना और ज्यादा चुनौतिपूर्ण हो गया है। केपी ओली सरकार में द्ववदेश मंत्री रह चुके प्रदीप ग्यवली कहते हैं, हम भारत के नए प्लान को स्वीकार नहीं करने जा रहे हैं। अगर भारत पुरानी गोरखा भर्ती प्रक्रिया को फिर से बहाल करता है, तब भर्ती को फिर से शुरू किया जा सकता है।

भारतीय-अमेरिकी पर 13 मिलियन डॉलर के घोटाले का आरोप

न्यूयॉर्क । अमेरिका में सात हजार से अधिक लोगों को निशाना बनाकर 13 मिलियन डॉलर के घोटाले के आरोप में 40 वर्षीय एक भारतीय-अमेरिकी को गिरफ्तार किया है। अमेरिकी अटॉर्नी फिलिप आर सेलिंगर ने घोषणा की कि न्यू जर्सी में क्लिफ्टन के मनोज यादव ने छोटा-मोटा कारोबार करने वालों और बुजुर्गों से 13 मिलियन डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी की। मनोज को नेवार्क संघीय अदालत में अमेरिकी मजिस्ट्रेट न्यायाधीश जोस आर. अलमोंटे के समक्ष पेश किया गया। सेलिंगर ने कहा, आरोपी व उसके साथियों ने खुद को एक प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनी से संबद्ध बताकर पीड़ितों को गुमराह किया। उन्होंने कहा, सॉफ्टवेयर कंपनी के लोकप्रिय अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर से जुड़े मुद्दों के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने का दावा करने के बाद, उन्होंने पीड़ितों से सेवाओं के लिए अत्यधिक शुल्क वसूला, जो सॉफ्टवेयर कंपनी द्वारा अधिकृत नहीं थे। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 2017 से 2023 तक, यादव और उसके साथि?यों ने, जिसमें से कई भारत में थे, धोखाधड़ी से खुद को एक प्रमुख अमेरिकी व्यवसाय और लेखांकन सॉफ्टवेयर कंपनी से संबद्ध प्रौद्योगिकी सहायता कंपनी के रूप में प्रस्तुत किया, जिसने लेखांकन सॉफ्टवेयर को बेचा। वे कई धोखाधड़ी वाले व्यावसायिक नामों के तहत काम करते थे। यादव ने साजिश में शामिल अपने साथियों को 13 मिलियन डॉलर से अधिक की राशि भेजी।

मंगोलिया पहुंचे पोप फ्रांसिस को परंपरा के अनुसार योगर्ट पेश किया गया।

पाकिस्तान में 220 रुपए किलो पहुंचे चीनी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के लोग इस वक्त महंगाई की चौतरफा मार झेल रहे हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमत पहले ही सातवें आसमान पर पहुंच चुकी हैं। बिजली की बढ़ी कीमतों को लेकर आवाम सड़कों पर है। इसी बीच पड़ोसी देश में कुछ ऐसा हुआ, जिसके चलते सरकार को अरबों डॉलर की चपत लग गई। पहले ही पाकिस्तान कम होते विदेशी मुद्रा भंडार से जूझ रहा है। अब उन्हें बेवजह 10 लाख मीट्रिक टन चीनी का आयात करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। दरअसल, हुआ कुछ यूं कि चीनी मिल मालिकों की तरफ से यह गलत जानकारी सरकार को दी गई कि देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। ऐसे में सरकार की तरफ से इसके निर्यात की इजाजत दे दी गई। असल स्थिति इसके विपरीत थी, जिसके चलते देश में चीनी की किल्लत पैदा हो गई। देखते ही देखते देश में चीनी के दाम 200 रुपए के पार पहुंच गए और बाजार में हाहाकार मच गया। ऐसे में अब पाकिस्तान की केयर टेकर सरकार ने 10 लाख मीट्रिक टन चीनी मौजूदा कीमत पर आयात करने का निर्णय लिया है ताकि घरेलू दामों को कंट्रोल किया जा सके। लगभग 10 लाख मीट्रिक टन चीनी का स्टॉक होने के बावजूद, पाकिस्तान के पंजाब खाद्य विभाग ने निकट भविष्य में चीनी संकट के बारे में चेतावनी जारी की है। पाकिस्तान सरकार के पास अब संकट को कम करने के लिए अतिरिक्त स्टॉक का उपयोग करने का एकमात्र विकल्प ही बचा है। आवाम को 100 प्रति प्रति किलो के आधिकारिक दाम के बजाय चीनी के लिए 220 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। अब पाकिस्तानी सरकार ने चीनी मिल मालिकों द्वारा प्रदान की गई भ्रामक जानकारी के कारण हुई कमी को दूर करने के लिए 1 मिलियन मीट्रिक टन चीनी आयात करने का निर्णय लिया है।

पुतिनके बाद जिनपिंग ने भी जी20 बैठक से क्यों बनाई दूरी? नक्शे वाली गलती से मुंह छिपा रहे या फिर है और कोई वजह

बीजिंग (एजेंसी)। भारत में जी20 सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। दुनियाभर के तमाम बड़े नेता इसमें शामिल होंगे। लेकिन इस बीच खबर आई कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। इसके बजाय, प्रीमियर ली कियांग 9-10 सितंबर के बीच होने वाले वैश्विक कार्यक्रम में चीन का प्रतिनिधित्व करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ली कियांग 5-7 सितंबर तक जकार्ता में 43वें आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद सीधे नई दिल्ली जाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वीवीआईपी विमानों के लिए उड़ान योजना पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी है, हालांकि विदेश मंत्रालय द्वारा औपचारिक संचार का अभी भी इंतजार किया जा रहा है। भारत सरकार ने जी-20 शिखर सम्मेलन से राष्ट्रपति शी की अनुपस्थिति के पीछे के कारणों पर टिप्पणी नहीं करने का फैसला किया है।

नक्शा विवाद है वजह?

जिनपिंग के भारत नहीं आने का कदम चीन द्वारा हाल ही में जारी किए गए मानक मानचित्र के बाद उठाया गया है। इस मानचित्र में अक्साई चिन के कुछ हिस्सों और पूरे अरुणाचल प्रदेश को चीन के क्षेत्र के हिस्से के रूप में शामिल किया गया है, इस कदम को मानचित्रण विस्तार के रूप में देखा जाता है। इस मानचित्र के जारी होने के समय ने दिल्ली में आगामी शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति शी की उपस्थिति के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाए थे। हाल ही में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी नेता के साथ संक्षिप्त बातचीत की। इस आदान-प्रदान के दौरान, उन्होंने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ली कियांग करेंगे चीन का प्रतिनिधित्व

9-10 सितंबर को दिल्ली में होने वाली जी20 समिट में शरीक होने के लिए समूह के सभी सदस्य देशों और आमंत्रित देशों के राष्ट्राध्यक्षों को न्योता भेजा गया है। दिल्ली में जी 20 की बैठक को एक ऐसे मंच के रूप में देखा जा रहा था जहां चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन मुलाकात कर सकते थे। अमेरिका और चीन दोनों ही भू राजनीतिक तनाव और व्यापार को स्थिर बनाना चाहते हैं। इससे पहले बाइडन और शी ने नवंबर में इंडोनेशिया के बाली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की थी। रूस ने पहले ही साफ कर दिया कि राष्ट्रपति पुतिन समिट में हिस्सा लेने दिल्ली नहीं आएंगे। उनकी जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत आएंगे। महज दो दिन पहले ही रूसी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टेलिफोन पर हुई बातचीत में दिल्ली ना आने की सूचना भी दी थी। वहीं जिनपिंग की जगह प्रधानमंत्री ली कियांग जी20 में अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चीन ने एआई की दुनिया में रखा कदम, अमेरिका को टक्कर देने की तैयारी

बीजिंग (एजेंसी)। अब चीन ने भी एआई की दुनिया में कदम रख दिया है। इससे वह अमेरिका को टक्कर देने की तैयारी में जुट गया है। बता दें कि चैट जीपीटी एआई टूल को दुनिया में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह टूल घंटों का काम मिनटों में कर सकता है। चाहे आर्टिकल लिखना हो या फिर किसी की हूबहू आवाज निकालनी हो, यह आविष्कार बड़े-बड़े काम पलक झपकने जितनी तेजी से करने में सक्षम है। पश्चिमी देशों की इस खोज को टक्कर देने के लिए चीन ने भी अपनी तैयारी कर ली है। खबरों की मानें तो ड्रैगन ने अपना एआई टूल आज मार्केट में लॉन्च कर दिया है। चीन के इस ओपन एआई को सरकार की भी मंजूरी मिल चुकी है। चीनी इंटरनेट दिग्गज बीआईएडीयू का एआई से लेस भाषा मॉडल ईआरएनआईई बॉट गुरुवार से आम जनता के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है। इसके अलावा, खबरों की मानें तो अन्य कई तकनीकी दिग्गजों ने भी आम जनता तक पहुंच प्रदान करने

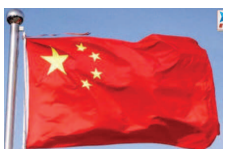

की मंजूरी प्राप्त कर ली है।

बीआईएडीयू कंपनी के बयान में कहा गया, ईआरएनआईई बॉट के अलावा कंपनी नए एआई-नेटिव ऐप्स का एक सूट लॉन्च करने के लिए तैयार है, जो उपयोगकर्ताओं को जेनरेटिव एआई की चार मुख्य क्षमताओं- अर्थात समझ, पीढ़ी, तर्क और मेमोरी का पूरी तरह से अनुभव करने की अनुमति देगी। रिपोर्ट में बताया गया कि ईआरएनआईई बॉट बीआईएडीयू के ईआरएनआईई फाउंडेशन मॉडल पर आधारित है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 10 से अधिक आधिकारिक मूल्यांकनों में लगातार पहले स्थान पर रहा है। मार्च के मध्य में इसे पहली बार लॉन्च किया गया था। ईआरएनआईई बॉट पश्चिमी देशों के चेट जीपीटी के पहले प्रतिद्वंद्वियों में से एक है।

नासा ने खोजी वहां जगह जहां लूना-25 गिरा

-बन गया बहुत ही गहरा क्रेटर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रूस का लूना-25 भारत के चंद्रयान से पहले चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला था। लेकिन प्री लैंडिंग ऑर्बिट में जाने के दौरान लूना-25 का संपर्क ग्राउंड स्टेशन से टूट गया। बाद में पता चला कि स्पेसक्राफ्ट अनियंत्रित होकर चांद की सतह से टकरा गया। अब नासा ने उस जगह को खोज निकाला है, जहां संभवतः रूस का लूना 25 क्रैश हुआ। नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) स्पेसक्राफ्ट ने चांद पर एक नए क्रेटर को खोजा है। लूना-25 स्पेसक्राफ्ट 19 अगस्त को क्रैश हुआ था।

नासा ने देखा है कि संभवतः जहां यह स्पेसक्राफ्ट गिरा था, वहां एक बड़ा क्रेटर बन गया। नासा ने लिखा कि रूसी स्पेस एजेंसी रोस्कोस्मोस ने 21 अगस्त को इंपैक्ट पॉइंट के अनुमान की जगह प्रकाशित की। एलआरओसी टीम और मिशन ऑपरेशंस टीम 22 अगस्त को एलआरओ अंतरिक्ष यान को कैप्चर करने के लिए डिजाइन करने और कमांड भेजने में सक्षम था। नासा ने लिखा, इन तस्वीरों को खींचने का सिलसिला 24 अगस्त को दोपहर 2.15 बजे से शुरू होकर 4 घंटे में पूरा हुआ।

एलआरओसी टीम ने टक्कर से पहले ली गई तस्वीरों और उसके बाद की तस्वीरों की तुलना की और एक छोटा नया गड्ढा पाया। एलआरओ ने इस क्षेत्र की तस्वीर पहले जून 2022 में खींची थी। चूंकि यह नया गड्ढा लूना-25 के अनुमानित इंपैक्ट बिंदु के करीब है, एलआरओ टीम ने निष्कर्ष निकाला है कि यह प्राकृतिक प्रभाव के बजाय लूना-25 मिशन के जरिए बना है। नया गड्ढा 10 मीटर व्यास का है। यह लूना-25 की लैंडिंग साइट से लगभग 400 किमी दूर है।

रूस ने 10 अगस्त को लूना-25 स्पेसक्राफ्ट लांच किया था। रूस का लक्ष्य था कि उसका स्पेसक्राफ्ट 21 अगस्त को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरे। जब स्पेसक्राफ्ट को प्री लैंडिंग ऑर्बिट में स्थापित किया जाने लगा तब यह अनियंत्रित हो गया। रूसी स्पेस एजेंसी ने बताया था कि थ्रस्टर समय से ज्यादा चलता रहा, जिसके कारण यह सीधे सतह की ओर बढ़ गया। क्रेमलिन ने अब इस पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि देश का स्पेस प्रोग्राम जारी रहेगा।

यूक्रेन की कब्जाई जमीन पर पुतिन करा रहे चुनाव, भौगोलिक रूप से रूस के लिए क्यों अहम हैं ये राज्य

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग को 555 दिन गुजर चुके हैं। अब जंग के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक ऐलान ने हर किसी को चौंका दिया है। पुतिन ने यूक्रेन के चार राज्यों में चुनाव का ऐलान किया है। जनमत संग्रह के बाद रूस में शामिल हो चुके डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जपोरिजिया में चुनाव होंगे। आधिकारिक सरकारी समाचार पत्र रोसिस्काया गज़ेटा और स्थानीय चुनाव अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेन में ज़ापोरिज़िया और डोनेट्स्क क्षेत्रों के रूसी-नियंत्रित क्षेत्रों में 31 अगस्त को मतदान शुरू हुआ। चुनाव आयोग के सदस्य दोनों क्षेत्रों के 375 गांवों में घर-घर जाकर वोट एकत्र कर रहे हैं और उनका लक्ष्य 214,000 से अधिक लोगों को कवर करना है। मतदान अगले सप्ताहांत तक चलेगा।

रूस ने एक साल पहले घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और ज़ापोरीज़िया क्षेत्रों पर कब्ज़ा कर रहा है, जबकि उसने उन पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं किया था। मई में रूसी सांसदों ने मार्शल लॉ के तहत चुनाव कराने की अनुमति देने के उपाय पारित किए। लुहांस्क और खेरसॉन के कब्जे वाले क्षेत्रों में इस सप्ताह से स्थानीय संसद और नगरपालिका कार्यालयों के लिए चुनाव शुरू होंगे। रूस में 10 सितंबर को क्षेत्रीय, नगरपालिका और कुछ संघीय चुनाव हो रहे हैं। रूस में प्रारंभिक मतदान असामान्य नहीं है।

मार्च 2014 में रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। इसे सबसे आसान आक्रमण भी इसलिए कहा जाता है क्योंकि यूक्रेन ने बगैर जंग लड़े ही क्रीमिया दे दिया था और रूसी सैनिकों ने भी रातों-रात ही इस द्वीप पर कब्जा कर लिया था। इसके आठ साल बाद 2022 में पुतिन ने यूक्रेन के दो पूर्वी क्षेत्रों को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे दी। यह भी घोषणा की है कि वह इन क्षेत्रों में यूक्रेन के सैन्य आक्रमण को सुरक्षित रखने में मदद करेगा। 2022 में दोनेत्स्क और लुहांस्क को स्वतंत्र देश की मान्यता देने के बाद अपनी जड़े जमाने में लगा।

32 साल की उम्र में 96 बच्चों का बाप, है न हैरान करने वाली बातं

वॉशिंगटन । एक शख्स को 32 साल की उम्र में 96 बच्चों का बाप बनने का गौरव हासिस है। अब वह अपने बच्चों से मिलने के लिए अपनी नौकरी छोड़ चुका है। आपको सुनकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन यह बात बिलकुल सच है। एक शख्स इसी दुनिया में ऐसा है, जिसके कुल 96 बायलॉजिकल बच्चे हैं। वो अपने सारे बच्चों को जानता भी नहीं था लेकिन जब उनसे मिलने की सोची तो उसे अपनी नौकरी तक छोड़नी पड़ी, तब जाकर वक्त निकल सका। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि इतने बच्चों के पिता की उम्र सिर्फ 32 साल है और अपने 96 बच्चों में से सिर्फ 25 को ही जानता है। मिली जानकारी के अनुसा अमेरिका की जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के छात्र रह चुके शख्स ने अपने कॉलेज के दिनों से ही कपल्स को माता-पिता बनने में अपनी मदद देनी शुरू की और 6 साल की पढ़ाई के दौरान वो 96 बच्चों का पिता बन गया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डायलन ने 6 साल के अपने कोर्स के दौरान पैसे कमाने के लिए स्पर्म डोनेशन का काम किया था। वो इसके हर सेशन के लिए 8200 रुपये चार्ज करता था और इस तरह पैसे कमाकर अपनी ज़रूरतों पर खर्च करता था।

एक नेता के रुप में भारतीय पीएम मोदी से बहुत अधिक प्रभावित हूं : विवेक रामास्वामी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए भारतीय-अमेरिकी उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लीडरशिप की प्रशंसा की है। उन्होंने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन को रोकने में भारत की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका जरूरत से थोड़ा कम विश्वसनीय रह गया है, और वह राष्ट्रपति के रूप में इस बढ़ावा देना चाहूंगा। रामास्वामी से एक इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या पीएम मोदी के साथ उनका कोई संबंध है?

इस पर रामास्वामी ने कहा, 'मैं उन्हें अभी तक व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता, न मिला हूं। लेकिन जब वह अपने संयुक्त सत्र (अमेरिकी कांग्रेस में) के लिए आए थे, उससे एक सुबह पहले मैं वहीं रुक गया। वहां उपस्थित लोगों में से एक ने मुझे अपने अतिथि के रूप में बुलाया था और इसलिए मैं वहीं रुक गया। मैंने उनका (पीएम मोदी का) संबोधन सुना। एक नेता के रूप में मैं पीएम मोदी से प्रभावित हूं। रामास्वामी ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत को अपने एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में रखना, चीन और शी जिनपिंग को संतुलन बनाए रखने को मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि ताइवान को युद्ध से बचाना अगले अमेरिकी राष्ट्रपति की विदेश नीति के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण बात होगी।

रामास्वामी ने कहा, 'यदि आप ताइवान के साथ संघर्ष की स्थिति के बारे में सोचना चाहते हैं, तब लोग यह भूल जाते हैं कि हिंद महासागर वह जगह है, जहां से मिडिल ईस्ट के तेल की आपूर्ति चीन तक जाती है, और इसलिए यदि भारत वास्तव में एक विश्वसनीय भागीदार होगा जो शी जिनपिंग के लिए यह एक और बाधा है। और मुझे लगता है कि इस दौड़ में (अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में) दोनों पार्टियों के अन्य उम्मीदवारों (डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी) की तुलना में शायद मेरे पास सबसे स्पष्ट दृष्टिकोण है कि चीन को ताइवान के पीछे जाने से कैसे रोका जाए और उस द्वीप पर युद्ध से बचा जाए। उन्होंने कहा, और मुझे लगता है कि यह विदेश नीति के दृष्टिकोण से अगले राष्ट्रपति का सबसे महत्वपूर्ण काम होगा।

रामास्वामी ने कहा कि य?दि वह राष्ट्रपति बनते हैं, तब इस धारणा को पीछे छोड़ दूंगा कि दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है उसका मोरल आर्बिटर अमेरिका है। रामास्वामी ने कहा कि मेरा ध्यान अमेरिकी मातृभूमि के हितों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित होगा. उन्होंने कहा, 'मैं उस झूठ को त्याग दूंगा जो मुझे लगता है कि हमने अमेरिका में कभी-कभी कहते सुना है कि दुनिया में जो कुछ भी होता है हम किसी तरह उसके नैतिक मध्यस्थ हैं। मैं जो कहने जा रहा हूं वह सच है, अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में मेरा काम वास्तव में अमेरिकी नागरिकों की देखभाल करने के लिए मातृभूमि के हितों को आगे बढ़ाना है। मेरा अपने साथी नागरिकों के प्रति नैतिक दायित्व है कि मैं उनकी देखभाल करूं।

गौरतलब है कि रामास्वामी ने रूस के साथ चल रहे संघर्ष में यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन को विनाशकारी बताया। उन्होंने मॉस्को द्वारा डोनबास क्षेत्र के कुछ हिस्सों को अपने पास रखने और कीव के नाटो में शामिल नहीं होने की शर्तों पर युद्ध समाप्त करने की वकालत की।

संपादकीय

ज्ञान की परिभाषा

यदि मन पर नियंत्रण है ,मन पर संयम है तो उत्तम संयम है । मैं एक अकेली शाश्वत आत्मा हूं, यह जानना और देखना मेरा स्वभाव है ।शेष जो भी भाव हैं वह सब बाहरी हैं और संयोग से उत्पन्न हुए हैं,ऐसा मानकर कोई भी पदार्थ मेरे नहीं हैं, जीव के नहीं हैं ।जीव के आकिंचन का भाव है, निष्परिग्रहत्व का भाव है तो वह विचारता है कि मैं अकेला हूं, मैं शुद्ध हूं ,मैं आत्म रूप हूं,मैं दर्शन ज्ञान रूप हूं ,मैंअन्य किसी भी रूप वाला नहीं हूं। परमाणु मात्र भी मेरा नहीं है ।ऐसा मानने वाला अपरिग्रही ही होता है । मानव जीवन के हर क्षेत्र में ज्ञानहै सबको पता है लेकिन इसका सार हर कोई नहीं निकाल पाता है क्योंकि इसके लिए एक लंबे अभ्यास और अनुभव की जरुरत पड़ती है ।माना की ज्ञानी होने से शब्द समझ में आते हैं लेकिन अनुभवी होने से उनके अर्थ । जिस प्रकार दूध में मक्खन होता हैं इसका ज्ञानसबको होता हैं लेकिन दूध से मक्खन हर कोई नहीं निकाल सकता है उसके लिए अनुभव की जरुरत होती है ।और यह प्राप्त होता हैपरिस्थितियों की सौग़ात के ख़ज़ाने से, वस्तु स्थिति को सही सही से भाँपने आदि से । सब कुछ सीखना-जानना ही संपूर्ण ज्ञान नहीं है ।साथ में कुछ बातों को नजरअंदाज करना भी ज्ञान का संज्ञान हैं । हमने जब तक यह नहीं जाना तब तक हमारा ज्ञान अधूरा है । तभी तोकहा है कि जीवन मे किस प्रकार ज्ञान का समावेश हो और कैसे हम अपने जीवन को उसके अनुरूप ढाल सके यह अधिक आवश्यक हैं।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

मध्य एशिया में चीनी रेल से रूस नाखुश

पुष्परंजन

चीन दुरभिसंधि करता है, दोस्त किसी को नहीं बनाता। जो उसे दोस्त समझने की भूल करते हैं, सन ् 62 की स्थिति का सामना करते हैं। रूसी लीडरशिप उसी रास्ते पर है। संभव है उसे भी ज़ोर का झटका धीरे से लगे। अक्तूबर में चीनी प्रधानमंत्री ली छियांग किर्गिस्तान की यात्रा पर जा रहे हैं। मकसद है चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान रेल परियोजना पर चर्चा और उसे आगे बढ़ाना। दशकों से लंबित इस रेल परियोजना को अंजाम देने की बात से मास्को प्रसन्न नहीं है। उसकी वजह है सेंट्रल एशिया में चीनी प्रभामंडल का विस्तार होना। चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान समरकंद में शंघाई कार्पोरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) की बैठक में सहमत हुए थे कि इस रेल परियोजना पर आगे बढ़ेंगे। इस साल भारत 'एससीओ' का अध्यक्ष देश था, मगर 4 जुलाई, 2023 को जब आभासी शिखर बैठक हुई, इस विषय को चर्चा से दूर रखा गया। जब समरकंद में इस रेल परियोजना पर त्रिपक्षीय सहमति हुई, कूटनीतिक क्षेत्रों में यह कहा गया कि इससे यूरेशियाई व्यापार को न सिर्फ़ नया आकार मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय-आर्थिक व भू-राजनीतिक प्रभाव भी पैदा होंगे। मास्को को लंबे समय से चिंता थी कि यह परियोजना सेंट्रल एशिया में शक्ति के मौजूदा संतुलन को बिगाड़ सकती है। क्रेमलिन के रणनीतिकार मानते हैं कि बढ़ते चीनी निवेश के कारण यह क्षेत्र चीन पर अधिक निर्भर हो जाएगा। रूस के ट्रांस-साइबेरियन रेलवे ने चीन द्वारा प्रस्तावित रेल परियोजना को सीधी प्रतिस्पर्धा माना है। रूस को चीन-यूरोप रेलवे एक्सप्रेस से भी आर्थिक लाभ मिलता रहा है, जो यूरोप पहुंचने के लिए रूस से होकर गुजरती है। हाल के वर्षों में किर्गिस्तान ने भी चीनी रेल परियोजना को पुनर्जीवित करने में बहुत दिलचस्पी दिखाई थी। वर्ष 2020 में, तत्कालीन किर्गिज राष्ट्रपति सूरोनबे जीनबेकोव ने देश के लिए रेल नेटवर्क के महत्व पर जोर दिया था, जिसमें चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान रेलवे रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण था। किर्गिस्तान ने थ्री प्लस वन के फार्मूले पर भी ज़ोर दिया था, जिसमें रूसी सहकार को जगह देने की जुगत थी। मगर, चीन ने धीरे से इस प्रस्ताव को एक तरफ़ कर दिया। सन ् 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद, जमीन से घिरे मध्य एशियाई देशों को एक रेलवे नेटवर्क विरासत में मिला जो मॉस्को के बरास्ते शेष विश्व को जोड़ता था। वर्ष 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से पहले, चीन, मध्य एशियाई देशों और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार के लिए रूसी सड़कें व रेलवे प्रमुख धमनियों के रूप में कार्य करती थीं। वर्ष 1990 के दशक में प्रस्तावित यह परियोजना तकनीकी, वित्तपोषण और ट्रैक गेज की चौड़ाई पर असहमति की वजह से खटाई में पड़ गई। किर्गिस्तान दरअसल यूक्रेन युद्ध के बाद से इस चीनी रेल प्रस्ताव के प्रति गंभीर हुआ। रूस पर प्रतिबंध के बाद सेंट्रल एशिया के कई देश कनेक्टिविटी को लेकर परेशान हो चुके हैं। प्रभावित पक्ष वैकल्पिक मार्गों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें से एक चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान रेलवे है। इस समस्या के हवाले से किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर जापारोव ने 2022 में कहा था, हमारे देश को पानी की तरह इस रेलवे की भी ज़रूरत है। रूस ने भी इस परियोजना के मार्ग में बाधक बनना नहीं चाहा है। छह अरब डॉलर की इस परियोजना में उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और चीन द्वारा वैकल्पिक मार्ग के रूप में अधिक रुचि दिखाने के बाद, रूस ने लंबे समय से चले आ रहे अपने रुख को बदल दिया है। बताते हैं कि किर्गिस्तान के राष्ट्रपति जापारोव ने सितंबर, 2022 में एससीओ सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में उनकी सहमति ले ली थी। उसके बाद से तीनों मुल्कों के शासन प्रमुखों ने इस रेल परियोजना के मसौदे पर हस्ताक्षर किये थे। अब पुतिन की हामी को रूस के कुछ रणनीतिकार सही क़दम नहीं मानते हैं। चीन ने हस्ताक्षर के साथ ही इस रेल मार्ग का अद्यतन सर्वे कराना शुरू किया, जो मई, 2023 में मुकम्मल हो चुका था। सर्वे के समय किर्गिस्तान ने एक ऐसे मार्ग पर जोर दिया था जो उत्तर की ओर अधिक आबादी वाले क्षेत्रों की सेवा करेगा। हालांकि आधिकारिक मार्ग का खुलासा नहीं किया गया है, किर्गिज नेशनल रेलवे के प्रस्ताव से पता चलता है कि किर्गिस्तान में रेलवे शिन्चियांग में चीन के काशगर रेल टर्मिनल और अंदीजान में उज्बेकिस्तान के रेल नेटवर्क से वाया टोरुगार्ट-अरपा-मकमल-जलालाबाद कॉरिडोर से जुड़ेगा। चीन ने रेल ट्रैक के आकार परिवर्तन की समस्या को भी सुलझा लिया है। उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान में 1.52 मीटर का चौड़ा रेलवे ट्रैक है, जबकि चीन 1.435 मीटर के संकीर्ण रेलवे ट्रैक का उपयोग करता है। इस समस्या के समाधान के लिए, किर्गिज-उज्बेक सीमा के पास एक अनलोडिंग स्टेशन पर ट्रेनों के पहिए बदले जाएंगे। चीन की महत्वाकांक्षी 'ओबीओआर' के लिए 'सेंट्रल-वेस्ट एशिया कॉरिडोर' सर्वाधिक अहम होता चला गया है। कनेक्टिविटी के अलावा दूसरा महत्वपूर्ण कारण शिन्चियांग की उईगुर आबादी है। उरूम्छी शिन्चियांग की राजधानी है, जहां आबादी का घनत्व सबसे अधिक है। जो लोग शिन्चियांग से बाहर निकले, उन्होंने कज़ाकस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब, जार्डन, ऑस्ट्रेलिया, रूस, स्वीडन जैसे देशों में उईगुर डायसपोरा को मज़बूत किया। इन देशों से शिन्चियांग को स्वायत्त किये जाने की मांग निरंतर उठ रही है। समय के साथ-साथ चीन ने प्रतिरोध के स्वर को दबाने में कामयाबी पाई है। अब तुर्की भी उईगुर में अत्याचार से मुंह फेर चुका है। चीन की पहले चिंता यह रही थी कि तालिबान सत्ता की बागडोर संभालते ही उईगुर अलगाववाद को ताक़त देना शुरू कर देगा। 1996 से 2001 तक सत्ता में रहते तालिबान ने उईगुर युवाओं के वास्ते अफग़ानिस्तान व उससे लगे पाक सरहदों में कैंप खोले, उन्हें जिहादी बनाया। इनके पंख इतने फैले कि अल कायदा और आइसिस के मोर्चे तक पर कुछ उईगुर लड़ाकों को लोगों ने लड़ते देखा। लेकिन आज की तारीख में चीन ने इस्लामिक अमीरात को ऐसा साधा है कि वो उईगुर अतिवाद को पनाह देने से कतराने लगे हैं। यह सब इस्लामिक अमीरात को पेइचिंग से अनुदान में मिल रहे पैसे का कमाल है। शिन्चियांग में उईगुर 45 प्रतिशत और हान 40 प्रतिशत बताये जाते हैं। अब हान आबादी को लेकर विवाद की ख़बरें नहीं मिलतीं। तालिबान नेता जिस तरह लगातार पेइचिंग के संपर्क में रहे, चीन को भरोसा हो चुका है कि शिन्चियांग में छेड़छाड़ नहीं होगी, आयनक माइंस से तांबा अयस्क के खनन में भी कोई बाधा नहीं पहुंचेगी। किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान दोनों भूपरिवेष्ठित (लैंड लॉक्ड) देश हैं। इस रेल परियोजना से ये देश भी यूरोप से सीधा जुड़ेंगे, लेकिन उसके साथ मास्को पर उनकी निर्भरता कम होती जाएगी, क्रेमलिन के लिए दुःख का सबसे बड़ा कारण यही है।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

राष्ट्रहित में ज़रूरी है धर्म के चोले में छुपे अधर्मियों की पहचान करना

(लेखिका - निर्मल रानी)

जिस भारतवर्ष में समाज का एक बड़ा वर्ग धार्मिक मान्यताओं का हवाला देते हुये जीव हत्या का मुखर विरोधी हो उसी देश में धार्मिक उन्माद के नाम पर इंसानों की सरेआम हत्यायें की जाने लगी हैं ,लोगों को पीट पीट कर मार दिया जाता है। घर व बस्तियां फूंकी जाने लगी हैं। वर्दीधारी जवान जिनपर अपने भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का ज़िम्मा है वही धर्म के आधार पर लोगों की पहचान कर उन्हें सरकारी शस्त्र से गोली मरने लगे हैं। अध्यापक अपने छात्रों में धर्म के आधार पर भेद करने लगे,मंदिर की पानी की टोंटी से मुसलमान बच्चे के पानी पी लेने पर उसे पीटा गया,मुस्लिम महिला के बलात्कारियों की पैरवी व उनका महिमामंडन होने लगा है। गत दस वर्षों में इस तरह का भयावह व अशांत वातावरण बनाने में देश के जहां बिकाऊ व सत्ता की खुशामद परस्ती के लिये समर्पण कर चुके मीडिया की अहम भूमिका है वहींदेश भर में इस वातावरण को बनाने में साधू वेशधारियों का भी अहम किरदार है। इसमें कोई संदेह नहीं कि धर्म के मर्म को समझने वाला कोई भी किसी भी धर्म का संत फ़क़ीर इंसानों को एक दूसरे के खून का प्यासा बनाने के लिये नहीं उकसा सकता। कोई भी सच्चा संत त्याग,तपस्या,प्रेम सद्भाव की ही बात करता है। परन्तु यह भी पौराणिक सत्य है कि रावण भी सीता हरण करने के लिये साधू के वेश में ही भिक्षा मांगने आया था। यानी रावण को पता था कि उसके वास्तविक रूप को देखकर सीता सचेत हो जाएँगी और उसका मकसद पूरा नहीं होगा लिहाज़ा साधु वेश में सीता को भी आसानी से धोखा दिया जा सकता है। हालांकि उन्माद फैलाने वाले साधू वेश धारियों की रावण से तुलना भी नहीं की जा सकती क्योंकि वह एक प्रकाण्ड ज्ञानी था। वही सिलसिला आज भी जारी है। तमाम अज्ञानी,अर्धज्ञानी, सत्ता द्वारा प्रायोजित,धन वैभव व सत्ता के लालची व शोहरत के भूखे लोग स्वयंभू महंत व महामंडलेश्वर बने बैठे हैं और दिन रात धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं। उधर टी आर पी व धनार्जन के नशे में डूबा मीडिया ऐसे ही पाखंडियों व समाज विभाजक तत्वों को तवज्जोह देकर इन्हें हीरो बना देता है। और बेरोज़गारी व मंहगाई से व्याकुल जनता ऐसे साधू वेशधारियों को धार्मिक व धर्म हितैषी समझकर इनके पीछे झुण्ड की तरह खड़ी हो जाती है और इनके उकसाने पर उन्माद व हिंसा फैलाने में देर नहीं लगाती।उदाहरण के तौर पर ग़ज़ियाबाद के समीप डासना के देवी मंदिर के महंत नरसिंहानंद सरस्वती को पहले ग़ाज़ियाबाद ज़िले में भी कोई नहीं जानता था। परन्तु जब उनके मंदिर के बाहर लगे प्याऊ से एक मुसलमान लड़का पानी पी रहा था और मंदिर के कुछ लोगों ने मंदिर से पानी पीने के चलते उसकी पिटाई की। उसकी वीडिओ बनाई और उसे वायरल भी किया। उसके बाद मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती का चेहरा सामने आया जिन्होंने इस अमानवीय कृत्य का खुलकर समर्थन किया। आज वे गोदी मीडिया की बदौलत स्थापित फ़ायरब्रांड हिंदू संत बन चुके हैं। मोनू मानेसर,शंभु रैगर जैसे हत्यारे स्वयं को हिन्दू धर्म के आदर्श के रूप में स्थापित कर रहे हैं। कोई धार्मिक उन्माद के नाम पर लोगों को तलवार और त्रिशूल बेचने के वीडिओ जारी कर रहा है। बड़े बड़े संतों यहाँ तक कि शंकराचार्यों की आपत्ति व आलोचना के बावजूद बाबा बागेश्वर शास्त्री जैसे नवोदित स्वयंभू संत हिन्दू राष्ट्र निर्माण की आड़ में अपना भविष्य वाणी का धंधा चला रहे हैं। तो कई राष्ट्रवाद के नाम पर अपना व्यवसायिक साम्राज्य स्थापित किये बैठे हैं।

परन्तु देश के अधिकांश संत व स्थानधारी संत जो वास्तव में मानवतावादी संत हैं वह सब धर्मों व आस्थाओं का सम्मान करते हैं। वे हिंसा,हत्या आगज़नी के लिये अपने भक्तों को प्रोत्साहित नहीं करते। उनका रहन सहन भी साधारण रहता है और वे ज्ञानवान भी होते हैं। वे जी जान से गोवंश की सेवा भी करते हैं और लोगों में परस्पर प्रेम व सद्भाव भी सांझा करते हैं। वे उन्मादियों की भीड़ के साथ नहीं बल्कि सद्भावना के पक्षधर लोगों के साथ खड़े दिखाई देते हैं। वे दूसरों में कमियां निकालकर स्वयं को महान बनाने पर विश्वास नहीं करते बल्कि अपनी कमियों को दूर कर स्वयं को बड़ा बनाने की सोच रखते हैं। वे वेदों व उपनिषदों पर चर्चा परिचर्चा करते हैं। दूसरों के साथ चर्चा में ज्ञानार्जन व ज्ञानवर्धन दोनों ही करते हैं। जबकि उन्मादी अर्धज्ञानी केवल सुनाना जानते हैं सुनना नहीं। पिछले दिनों जब हरियाणा जैसा देश का सबसे शांतिप्रिय राज्य कुछ ऐसे ही साम्प्रदायिकता वादियों की घिनौनी साज़िश का शिकार हुआ और मेवात क्षेत्र के नूह व आसपास के कई इलाक़ों में साम्प्रदायिकता के शोले भड़कने लगे उस समय इसी हरियाणा के अनेक साधु संतों ने शांति प्रेम व सद्भाव की मशाल रोशन करने की कोशिश की।

हरियाणा के प्राचीन तीर्थ स्थल आदि बद्री के महंत स्वामी विनय स्वरूप ब्रह्मचारी जोकि आदि बद्री में ही अपने अत्यंत सीमित संसाधनों से एक बड़ी गौशाला संचालित करते हैं और साथ ही भक्तों से प्राप्त दान सेवा से ही अनेक ग़रीब बच्चों के लिये ऋषिकुलम के नाम से स्वैच्छिक संस्था चलाकर उन्हें संस्कारित भी करते हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हरियाणा पर लगे नूह के कलंक को धोने का शानदार प्रयास किया। स्वामी विनय स्वरूप ब्रह्मचारी के आह्वान पर इस अवसर पर एक तिरंगा रैली निकली गयी जिसमें उनके ऋषिकुलम में शिक्षा धारण करने वाले बच्चों व पास के गांव के मदरसों के बच्चों ने तथा अन्य तमाम हिन्दू मुस्लिम लोगों ने पूरे उत्साह से एक साथ शिरकत की। सभी ने मिलकर भारत माता की जय का गगनचुंबी जयघोष किया। संतों के संरक्षण में निकली गयी इस तरह की हिन्दू मुस्लिम संयुक्त रैली ही वास्तव में सच्चे भारत की सच्ची तस्वीर पेश करती है। दरअसल महंत स्वामी विनय स्वरूप ब्रह्मचारी जैसे अनेक सच्चे संत ही हिन्दू धर्म के वास्तविक प्रतिनिधि स्वीकार करने के योग्य हैं। जहां ऐसे संतों को राष्ट्रहित में व्यापक समर्थन व सम्मान दिये जाने की ज़रुरत है वहीँ धर्म के चोले में छुपे राष्ट्र विभाजक अधर्मियों की पहचान करना भी बेहद ज़रूरी है।

विचार मंथन

अडॉनी समूह की कंपनियों का एक और भंडाफोड़

(लेखक- सनत जैन)

हिडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट के बाद अब ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट द्वारा, अदानी समूह को लेकर एक बड़ा खुलासा किया गया है। इस खुलासे में बताया गया है, कि अडानी समूह के मालिकों ने गुपचुप तरीके से लाखों डॉलर का निवेश अपने ही कंपनियों के शेयरों में करके भारी घोटाला किया है। इस रिपोर्ट को अदानी समूह ने खारिज कर दिया है।लेकिन जिस तरह के प्रमाण इस रिपोर्ट में दिए गए हैं।उससे अदानी समूह की आगे चलकर मुसीबतें बढ़ेगी। पत्रकार जगत के आर्थिक क्षेत्र में काम करने वाले पत्रकारों द्वारा यह रिपोर्ट काफी मेहनत के बाद तैयार की गई है इसमें सभी तथ्यों को जुटाया गया है। दुनिया के दो बड़े अखबारों में यह रिपोर्ट प्रकाशित हुई है।जिनकी पूरी दुनिया में वित्तीय क्षेत्र में बड़ी मान्यता है।जैसे ही इस रिपोर्ट का खुलासा हुआ। अदानी समूह की 10 में से 9 कंपनियों के शेयर के दामों में 2 से ढाई फ़ीसदी की गिरावट भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिली। ऑर्गेनाइजेशन क्राइम एंड करप्शन की रिपोर्ट, दुनिया के दो बड़े प्रतिष्ठित अखबार द गार्जियन और द फाइनेंसियल टाइम्स में प्रकाशित हुई है। उसके बाद से भारत सहित दुनिया के कई देशों में इस रिपोर्ट से हड़कंप की स्थिति बन गई है। भारत के प्रमुख मीडिया ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। लेकिन सोशल मीडिया और यूट्यूब में बड़े पैमाने पर इस रिपोर्ट को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। इस रिपोर्ट में टैक्स हेवन देश में संबंधित कंपनियों की जानकारी उनके द्वारा किए गए लेनदेन और अडानी समूह के आंतरिक ईमेल का हवाला देते हुए जांच रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें रहस्यमय निवेशकों और ऑफशोर कंपनियों के बारे में बताया गया है, कि किस तरीके से शेयरों की खरीदी-बिक्री में धोखाधड़ी और गलत जानकारी देकर अवैध तरीके से कमाई की गई है। किस तरह से भारत से काला धन टैक्स हेवन देशों में भेजा गया। वही पैसा बाद में लौटकर भारत के शेयर बाजार में निवेश किया गया है। ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन की रिपोर्ट में दावा किया गया है, कि अडानी परिवार के साथ निवेशक के रूप में नासिर अली शबान अहली और चेंग चुंग लिंग के लंबे समय से टैक्स हेवन देश की कंपनियों में दोनों के व्यापारिक रिश्ते हैं। विनोद अदानी जो गौतम अडानी के भाई हैं। उनकी कंपनियों के आपस में गहरे व्यापारिक रिश्ते हैं। कंपनी में बराबर की साझेदारी है। दस्तावेजों के परीक्षण करने के बाद जो रिपोर्ट तैयार की गई है। उसके अनुसार विनोद अदानी की कंपनी को निवेश में सलाह देने के लिए भुगतान किया गया है। विनोद अडानी की सलाह पर लगभग लगभग सारा निवेश गौतम अदानी समूह की कंपनियों में किया गया है।सेबी ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस मामले में जांच की है। सेबी ने अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत कर दी है। लेकिन टैक्स हेवन देशों से आए हुए निवेश को लेकर जांच होनी थी। उसको लेकर सेबी ने अपनी रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट में असमर्थता जताई है। सब जानकारी एकत्रित कर पाना उनके लिए संभव नहीं है। इसी बीच ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन की रिपोर्ट ने जो डिटेल प्रस्तुत कर दी हैं उसको लेकर अदानी समूह की कंपनियों की परेशानी निश्चित रूप से बढ़ने जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसका असर पडना तय है। अदानी समूह भारत में तो इस जांच को प्रभावित कर सकता है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे प्रभावित कर पाना मुश्किल होगा।अमेरिका और अन्य देशों में इस तरह के मामले में स्वतंत्र एजेंसी जांच करती हैं। वहां पर सरकार की कोई भूमिका नहीं होती है। अदानी समूह का व्यापार कर्ज और निवेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। इसलिए इस तरह की किसी जांच से इनकार नहीं किया जा सकता है। अदानी समूह को अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों के सामने सभी दस्तावेज जमा करने होंगे। कहा जा रहा है कि अडानी समूह ने पिछले चार-पांच वर्षों में अपने व्यापार को जिस तरीके से बढ़ाया है। जिस तरीके से अकाउंट और निवेश को लेकर गलत दस्तावेज तैयार कर गड़बड़ियां की हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक जगत के शीर्ष में पहुंचने के लिए जो दौड़ लगाई थी। उसके कारण दुनिया भर के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट उनके पीछे पड़ गए हैं। आर्थिक जगत में इस तरह की धोखाधड़ी और कृत्रिम तरीके से शेयरों के रेट घटा-बढ़ाकर इसके पहले, कभी भी इस तरह की धोखाधड़ी नहीं हुई। बहरहाल जिस तरीके से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अदानी समूह की गड़बड़ियां सामने आई है।इसका असर निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में पडना तय माना जा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार आम निवेशकों के साथ-साथ बैंक और जीवन बीमा निगम जैसी संस्थाओं को भी इस खुलासे के बाद आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। अदानी समूह की कंपनियों में बैंकों का और भारतीय जीवन बीमा निगम का बहुत बड़ा निवेश है।

सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी

भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंढक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

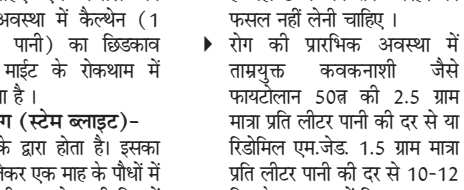

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्र-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है। दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है। इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है। रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं। एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्र + थायरम 50त्र के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें।

अरहर का बाँझ रोग -

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है। रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं। पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं। फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं।

अरहर का बाँझ रोग -

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप। दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है। शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है। प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं। साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं। इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)- प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए।
- रोग की प्रारंभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्र की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए।
- रोगरोधी किस्में जैसे :– पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रही, जो पिछले साल की इसी अवधि में दर्ज की गई 13.1 फीसदी से काफी कम है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा ये आंकड़े जारी किए गए। हालाँकि, 2022-23 की जनवरी-मार्च अवधि (चौथी तिमाही) में दर्ज की गई 6.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 2023-24 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर ज्े यादा रही है। आधिकारिक बयान के अनुसार वास्तविक जीडीपी या स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीडीपी 2023-24 की पहली तिमाही में 40.37 लाख करोड़ रुपए के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 2022-23 की पहली तिमाही में यह 37.44 लाख करोड़ रुपए थी, जो 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है जबकि 2022-23 की पहली तिमाही में वृद्धि दर 13.1 प्रतिशत थी। आंकड़ों से पता चलता है कि कृषि, खनन, विनिर्माण, बिजली, निर्माण, होटल और परिवहन जैसी सभी गतिविधियों में 2022-23 की पहली तिमाही के मुकाबले 2023-24 की पहली तिमाही में विकास दर कम रही। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 2023-24 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि आठ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

महंगाई काबू से बाहर जाने के कोई संकेत नहीं: वी अनंत नागेश्वरन

नई दिल्ली । हाल ही में देश का अप्रैल-जून की अवधि के जीडीपी डेटा जारी किया गया। डेटा जारी होने के बाद आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने महंगाई को लेकर राहत की खबर दी है। नागेश्वरन ने कहा कि हमें इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है कि महंगाई काबू से बाहर चली जाएगी यानी की महंगाई के काबू से बाहर जाने के कोई संकेत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक भी अगस्त में हुई कम बारिश को ध्यान में रखते हुए कीमतों पर बढ़ोतरी पर नजर बनाए हुए हैं। नागेश्वरन ने कहा कि कोर महंगाई दर में गिरावट आ रही है। खाने-पीने की कुछ खास चीजों की ही महंगाई बढ़ी है। ऐसे में कुल मिलाकर मुझे लगता है कि महंगाई को लेकर चिंता की कोई वास्तविक वजह नहीं है। महंगाई नियंत्रण से बाहर नहीं हो पाएगी। असमान मौसम और कम बारिश से आई सप्लाई में कमी के कारण पिछले कुछ महीनों में सब्जियों और कुछ दालों की कीमतों में तेजी से बढ़त हुई है। इससे जुलाई में खुदरा (रिटेल महंगाई) महंगाई 15 महीने के हाई 7.44 फीसदी पर पहुंच गई। जुलाई में सब्जियो की महंगाई के 37.3 फीसदी तक पहुंचने के कारण खाने-पीने की चीजों की खुदरा महंगाई दोगुनी से भी ज्यादा बढ़कर 11.5 फीसदी हो गई। ये दोनों आंकड़े जनवरी 2020 के बाद से सबसे हाई लेवल पर हैं। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मत देखें तो उनका मानना है कि अगस्त महीने में खुदरा महंगाई 7 फीसदी के करीब बनी रहेगी। बता दें कि अगस्त के खुदरा महंगाई आंकड़े 12 सितंबर को जारी किए जाएंगे।

यूपीआई से लेनदेन का आंकड़ा अगस्त में 10 अरब से ज्यादा

नई दिल्ली । एकीकृत भुगतान व्यवस्था (यूपीआई) के जरिये लेनदेन का आंकड़ा अगस्त में 10 अरब को पार कर गया। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनपीसीआई भारत में सभी खुदरा भुगतान प्रणालियों का मुख्य संगठन है। यूपीआई का इस्तेमाल मोबाइल फोन के जरिये पैसे के तात्कालिक लेनदेन के लिए किया जाता है। एनपीसीआई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि यूपीआई ने 10 अरब से अधिक लेनदेन के साथ रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस अविश्वसनीय उपलब्धि और डिजिटल भुगतान की ताकत का जश्न मनाने में हमारे साथ शामिल हों। इस रफ्तार और यूपीआई के साथ लेनदेन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव को जारी रखें। एनसीपीआई के आंकड़ों के अनुसार 30 अगस्त को यूपीआई लेनदेन का आंकड़ा 10.24 अरब हो गया। इन लेनदेन का मूल्य 15,18,456.4 करोड़ रुपए रहा। जुलाई में यूपीआई लेनदेन की संख्या 9.96 अरब थी जबकि जून में यह 9.33 अरब थी।

अब एक्स पर कर सकेंगे वीडियो और ऑडियो कॉल

- ऑडियो और वीडियो कॉल सुविधाओं को जल्द ही एक्स प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा

नई दिल्ली ।

अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने एक बार फिर सबको हैरान कर देने वाला ऐलान किया है। जब से एलन मस्क ने ट्विटर पर कब्जा किया है तब से वह उसमें आए दिन कई बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने हाल ही में ट्विटर का नाम बदलकर एक्स रखा था। अब उन्होंने ऐसा ऐलान किया है जिससे वाटसऐप की नींद उड़ गई है। दरअसल, मस्क ने ऐलान किया कि ऑडियो और वीडियो कॉल सुविधाओं को जल्द ही एक्स प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा। एक्स अब सोशल प्लेटफार्म पर सभी को अकेले टक्कर दे रहा है। एक्स पर वीडियो और ऑडियो कॉलिंग सुविधा एंड्रॉयड, आईओएस, पीसी और मैक सहित प्लेटफार्मों पर काम करेगी। इस फीचर में ऑडियो और वीडियो कॉल करने के लिए फोन नंबर की जरूरत नहीं होगी। मस्क ने पोस्ट जारी करते हुए बताया कि एक्स पर वीडियो और ऑडियो कॉल आ रही है। यह आईओएस, एंड्रॉयड, मैक और पीसी पर काम करेगा। किसी फोन नंबर की आवश्यकता नहीं है। एक्स इफेक्टिव ग्लोबल एड्रेस बुक है। यह फैक्टर्स काफी यूनिक है। एलन मस्क भले ही कई बदलाव ला रहे हैं, लेकिन डाउनलोड की संख्या में कमी नहीं देखी गई। हालांकि, साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं में गिरावट देखी गई। एक रिपोर्ट में सेंसरटॉवर के आंकड़ों के हवाले से कहा गया है कि ट्विटर की रीब्रांडिंग के बाद के हफ्तों में एक्स के साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं में 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। बता दें कि एक्स से टक्कर लेने के लिए मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में एक नया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म थ्रेडस भी लॉन्च किया था लेकिन अब एलन मस्क की नई घोषणा से इंस्टाग्राम और वाटसऐप को झटका लग सकता है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया सात पैसे टूटकर 82.72 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच ही रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त के साथ 82.61 पर पहुंच गया। विदेश मुद्रा के विशेषज्ञों ने बताया कि विदेशी कोष के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमत के 87 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने का असर घरेलू मुद्रा पर पड़ा। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कृषि तथा सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश की आर्थिक वृद्धि दर (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 7.8 फीसदी रही। यह पिछली चार तिमाहियों में सबसे ऊंची वृद्धि दर है। वहीं अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.58 पर खुला और फिर 82.63 पर पहुंच गया। बाद में वह 82.61 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में नौ पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया 82.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.65 पर आ गया।

सेबी ने बिचौलियों के दावे मान्य करने एजेंसी का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने सेबी पंजीकृत मध्यस्थों और अन्य संस्थाओं द्वारा प्रदर्शन के किसी भी दावे को मान्य करने के लिए एक प्रदर्शन सत्यापन एजेंसी (पीवीए) के निर्माण का प्रस्ताव दिया है। सेबी परामर्श पत्र में कहा गया है कि अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने और बढ़ने तथा व्यवसाय जारी रखने के लिए बिचौलियों, वस्तुओं को अपना प्रदर्शन दिखाने की आवश्यकता है। हालांकि, अधिक ग्राहकों की चाहत में इनमें से कुछ संस्थाएं निवेशकों के सामने अपने प्रदर्शन या सिफारिशों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर दावे कर सकती हैं, जिससे निवेशकों को गुमराह किया जा सकता है। इस समय एसेट मैनेजमेंट कंपनियां (एएमसी) म्यूचुअल फंड योजनाओं के प्रदर्शन की गणना करती हैं। इसी तरह, पोर्टफोलियो प्रबंधकों को कुछ बेंचमार्क के मुकाबले अपने प्रदर्शन की रिपोर्ट करने की अनुमति दी गई है। इन मध्यस्थों, संस्थाओं द्वारा किए गए दावे अधिकतर स्व-सत्यापित होते हैं और वर्तमान में ऐसे दावों को मान्य करने के लिए कोई समर्पित एजेंसी नहीं है। निवेश सलाहकार (आईए) और अनुसंधान विश्लेषक (आरए) भी स्वाभाविक रूप से क्रमशः निवेश सलाह और खरीद, बिक्री, पकड़ की सिफारिश देने में शामिल होते हैं। सेबी द्वारा जारी आईएएस और आरए के लिए विज्ञापन कोड के संदर्भ में आईएएस और आरए को पिछले प्रदर्शन का कोई संदर्भ देने की अनुमति नहीं है। पंजीकृत मध्यस्थों की ओर से निवेशकों को अपना प्रदर्शन दिखाने की मांग की गई है, ताकि उनकी विशे वसनीयता बढ़ाई जा सके।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 556, निफ्टी 181 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से आई है। इसके साथ ही अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 फीसदी की आर्थिक वृद्धि रहने से भी निवेशकों में उत्साह है। यह पिछली चार तिमाहियों में सबसे ऊंची वृद्धि दर है। इसके साथ ही बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी 0.75 फीसदी की बढ़त रही।दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 555.75 अंक करीब 0.86 फीसदी बढ़कर 65,387.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,473.27 तक ऊपर जाने के बाद 64,818.37 तक फिसला है। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 181.50 अंक तकरीबन 0.94 फीसदी बढ़कर 19,435.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,458.55 तक ऊपर जाने के बाद 19,255.70 तक गिरा है। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 26 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। जिन पांच शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वह है एनटीपीसी , जेएसडब्लूय स्टील, मारुति, पावर ग्रिड और टाटा स्टील के शेयर रहे। सबसे ज्यादा 5.23 फीसदी लाभ एनटीपीसी के शेयरों को हुआ। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में केवल 4 शेयर ही नुकसान पर बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया, एलएंडटी और सन फार्मा सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। अल्ट्राटेक के शेयर सबसे अधिक करीब 0.50 फीसदी नीचे आये हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई है। सेंसेक्स 96.67 अंक की बढ़त के साथ 64,928.08 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 4.35 अंक की बढ़त के साथ 19,258.15 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की चाल सपाट नजर आ रही थी। सेंसेक्स 16.36 अंक की बढ़त के साथ 64,847.77 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 6.20 अंक की बढ़त के साथ 19.260 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी बाजार में हल्की गिरावट दर्ज की गयी। डॉव जोन्स और एसएंडपी 500 सूचकांकों में 0.4 फीसदी तक फिसले। हालांकि नेस्डेक कंपोजिट 0.1 प्रतिशत बढ़ा। एशिया-प्रशांत बाजारों में भी शुक्रवार को शुरुआती सौदों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। निक्केई 225 और एसएंडपी 200 सूचकांक 0.2 फीसदी तक गिर गए।

अमेरिका से इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार बढ़ाने कार्यबल का किया गया गठन

- इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार को 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार बढ़ाने के लिए भारत-अमेरिका टास्क फोर्स की शुरुआत की गई है। इसका लक्ष्य एक दशक के भीतर दोनों देशों के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार को 100 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने यहां लॉन्च मीटिंग आयोजित की, जिसमें दूरसंचार विभाग (डीओटी), अमेरिकी दूतावास, प्रमुख अमेरिकी और भारतीय कंपनियों, निवेश बैंकिंग बिरादरी और वाशिंगटन डी.सी. स्थित सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग (आईटीआई) परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। ट्राई के पूर्व अध्यक्ष राम सेवक शर्मा को टास्क फोर्स का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भारत-अमेरिका टास्क फोर्स दो तकनीकी शक्तियों के विलय का प्रतिनिधित्व करता है। यह उदघाटन बैठक एक आशाजनक भविष्य की ओर पहला कदम है जहां उद्योग के नेतृत्व में दोनों देश इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार और नवाचार में पारस्परिक विकास हासिल करने के लिए सहयोग करते हैं। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग 2025-26 तक 300 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का लक्ष्य बना रहा है। टास्क फोर्स के प्रमुख उद्देश्यों में व्यापार को बढ़ावा देना, नवाचार को बढ़ावा देना, नौकरियां पैदा करना और वैश्विक तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ निर्बाध एकीकरण प्राप्त करना शामिल है। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर उन्नति, उन्नत दूरसंचार, आईसीईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला जैसी पहलों पर भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना है। इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भारत-अमेरिका टास्क फोर्स इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार परिदृश्य को नया आकार देने के लिए एक अभूतपूर्व अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव अमितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भारत-अमेरिका टास्क फोर्स को सहायता प्रदान करने से पीछे नहीं हटेगी और सहायता के लिए भी मौजूद रहेगी।

एटीएफ की कीमतों में 14 फीसदी बढ़ोत्तरी

मुंबई ।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शुक्रवार से एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 14 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। इसके दाम दिसंबर 2022 के बाद से उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में एटीएफ की कीमत 1.12 लाख रुपए से ज्यादा हो गई है। पिछले दो महीने से अब तक 24 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। ऐसे में एटीएफ की कीमतें बढ़ जाने से इसका असर हवाई सफर पर भी पड़ सकता है। त्योहारी सीजन में हवाई सफर महंगा हो सकता है। ये लगातार तीसरा महीना है जब ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एटीएफ के दाम में इजाफा किया है। देश की राजधानी दिल्ली में एटीएफ के दाम 20,295.2 रुपए प्रति किलोलीटर तक बढ़ गए हैं और इसके दाम 1.12 लाख रुपए से ज्यादा हो चुके हैं। दिल्ली में हवाई ईंधन या जेट फ्यूल के रेट बढ़कर 1,12,419.33 रुपए प्रति किलोलीटर तक जा चुके हैं। वहीं कोलकाता में 121063.83 रुपए प्रति किलो लीटर, मुंबई में 105222.13 रुपए किलोलीटर है। इसके अलावा चेन्नई में 116581.77 रुपए प्रति किलो लीटर है। 1 अगस्त को जेट फ्यूल की कीमतों में 8.5 फीसदी की भारी बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली में अगस्त में एटीएफ की कीमत 98,508.26 रुपए प्रतिकिलोलीटर थी। वहीं कोलकाता में 1,07,383.08 रुपए प्रतिलीटर, मुंबई में 92,124.13 रुपए प्रतिलीटर और चेन्नई में 1,02,391.64 रुपए प्रतिलीटर थी।

अडाणी पर ओसीसीआरपी के आरोप, 2.2 से 4.4 फीसदी तक टूटे शेयर

- अदाणी परिवार के सहयोगियों की कंपनियों ने मुनाफा कमाने समूह शेयरों का इस्तेमाल किया

मुंबई ।

अदाणी समूह पर आरोप लगाते हुए खोजी पत्रकारों के एक समूह ने कहा है कि अदाणी परिवार के सहयोगियों की कंपनियों ने समूह के शेयरों में निवेश कर लाखों डॉलर का मुनाफा कमाया। आरोपों के कारण समूह की कंपनियों के शेयर शुक्रवार को 2.2 से 4.4 फीसदी तक टूट गए। ब्रिटिश अखबारों ने ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) द्वारा जारी दस्तावेजों के हवाले से कहा कि अदाणी परिवार के सहयोगियों की कंपनियों ने मुनाफा कमाने के लिए समूह के शेयरों का इस्तेमाल किया। इस खबर के बाद अदाणी की एक कंपनी के अलावा सभी के शेयर लुढ़क गए और समूह का बाजार पूंजीकरण करीब 36,000 करोड़ रुपए कम हो गया। इससे पहले 24 जनवरी को अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने भी अदाणी समूह पर कॉरपोरेट धोखाधड़ी और शेयर भाव में हेरफेर के आरोप लगाए थे, जिसके बाद समूह का बाजार पूंजीकरण 8.4 लाख करोड़ रुपए कम हो गया था। अदाणी समूह ने कहा कि हिंडनबर्ग मामले में बाजार नियामक सेबी इन आरोपों की जांच पहले ही कर चुका है और इनका कोई भी सबूत उसे नहीं मिला। उधर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इन आरोपों की जांच संयुक्त संसदीय समिति से कराने की मांग की। विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक से पहले मुंबई में उन्होंने कहा, 'जी20 सम्मेलन से पहले भारत की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं? जांच क्यों नहीं करा रहे?

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 157 रुपए सस्ता

- अब कॉमर्शियल सिलेंडर 1522.50 रुपए का मिलेगा

नई दिल्ली ।

रसोई गैस सिलेंडर के बाद अब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने एक सितंबर को कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों को अपडेट कर दिया है, जिसमें 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 157 रुपए की कमी की गई है। इस बदलाव के बाद देश की राजधानी नई दिल्ली में एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1522.50 रुपए हो गई है। इससे पहले बढ़ोतरी के साथ चार जुलाई को 1780 रुपए कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम पहुंच गए थे। बता दें कि मंगलवार को रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपए घटा दिए गए थे।

सरकार के इस नए फैसले के बाद अब एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलो) की कीमतों में बड़े बदलाव हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में अब 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर 903 रुपए में बिक रहे हैं। ग्राहकों को अब पहले के मुकाबले 200 रुपए सस्ती कीमत पर सिलेंडर मिलने लगे हैं। दिल्ली में 1680 के बजाय 157 रुपए कम होकर अब कॉमर्शियल सिलेंडर 1522.50 रुपए का हो गया है। कोलकाता में शुक्रवार से सिलेंडर 1802.50 की जगह अब 1636 रुपए में मिलेगा। इसी तरह पहले मुंबई में इसकी कीमत 1640.50 रुपए थी जो अब घटकर 1482 रुपए हो गई है। वहीं चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 157.5 रुपए की कमी हुई। अब यह 1852.50 रुपए की जगह 1695 रुपए में मिलेगा। दिल्ली में घरेलू एलपीजी 903 रुपए का है। कोलकाता में एलपीजी के दाम 929 रुपए पर है। मुंबई में 902.50 रुपए और चेन्नई में 918.50 रुपए पर है। सरकार ने 29 अगस्त की शाम को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 200 रुपए की कटौती का ऐलान किया था, जिसके बाद 30 अगस्त को नई दरें लागू हो गई थी। उज्ज्वला योजना के तहत आने वाले 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को 400 रुपए का फायदा होगा क्योंकि उन्हें 200 रुपए की सब्सिडी पहले से ही दी जा रही थी।

शहरी सहकारी बैंक फंसे कर्ज की वसूली के लिए प्रयास करते रहें: आरबीआई गवर्नर

- दास ने कर्ज जोखिम प्रबंधन में बैंकों के निदेशक मंडल की भागीदारी को जरूरी बताया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शहरी सहकारी बैंकों को बड़े कर्जदारों के पास फंसे कर्ज की वसूली को लेकर लगातार प्रयासरत रहने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने आधुनिक लेखांकन तौर-तरीकों के जरिये वास्तविक वित्तीय स्थिति छिपाने को लेकर बैंकों को आगाह भी किया। आरबीआई के अनुसार गवर्नर ने मुंबई क्षेत्र के चुनिंदा बड़े शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के निदेशकों का एक सम्मेलन बुलाया था। इसमें तमाम बिंदुओं पर चर्चा की गई। दास ने कर्ज जोखिम प्रबंधन में बैंकों के निदेशक मंडल की भागीदारी को जरूरी बताया। कर्ज जोखिम प्रबंधन में मजबूत जोखिम मानक, प्रभावी निगरानी, समय पर शिनाख्त, फंसे कर्ज की प्रभावी वसूली के लिए बड़े कर्जदारों के मामले में निरंतर प्रयास करने और एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति या फंसा कर्ज) को लेकर पर्याप्त प्रावधान बनाए रखना शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने अपने दायरे में आने वाली वित्तीय संस्थानों के निदेशकों के साथ बातचीत शुरू की है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और निजी क्षेत्र के बैंकों के निदेशकों के साथ मई 2023 में दो अलग-अलग सम्मेलन आयोजित किए गए थे। बयान के अनुसार आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय विवरणों में ईमानदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में निदेशकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वास्तविक वित्तीय स्थिति को छिपाने के लिए आधुनिक लेखांकन प्रथाओं के उपयोग को लेकर आगाह भी किया। दास ने निदेशक मंडलों से परिसंपत्ति देनदारी प्रबंधन में अधिक सक्रिय होने और तरलता जोखिम को अधिक व्यवस्थित तरीके से प्रबंधित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत आईटी और साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचे की स्थापना और बैंक स्तर पर अपेक्षित कौशल की उपलब्धता में निदेशक मंडल की भूमिका महत्वपूर्ण है। सम्मेलन में डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव और स्वामीनाथन जे के साथ-साथ रिजर्व बैंक के पर्यवेक्षण, विनियमन और प्रवर्तन विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यकारी निदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

जहां से सस्ता मिलेगा वहां से खरीदेंगे तेल: हरदीप सिंह पुरी

भारत 80 प्रतिशत से अधिक तेल विदेशों से प्राप्त करता है

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत उन सभी देशों से तेल खरीद सकता है जो इसे कम कीमतों पर देंगे। पिछले साल रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पश्चिमी देशों द्धारा आयात पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से भारत रूस से रियायती कीमतों पर कच्चा तेल खरीद रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम इस मामले में बहुत स्पष्ट हैं कि हम जहां से भी सस्ता तेल मिलेगा, वहां से तेल खरीदेंगे, जब तक कि यह हमारे बंदरगाहों पर आयात के स्थान पर न्यूनतम संभव कीमत पर पहुंचाया जाता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। भारत 80 प्रतिशत से अधिक तेल विदेशों से प्राप्त करता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ रुपए के व्यापार के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि तेल क्षेत्र में लेनदेन बहुत न्यूनतम था। दोनों देश जुलाई में डॉलर के बजाय रुपए में व्यापार की सुविधा देने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात के साथ हमारा रुपया-दिरहम समझौता है लेकिन तेल क्षेत्र में लेनदेन बहुत न्यूनतम है। पेट्रोलियम कंपनियों की चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में बंपर कमाई और कच्चे तेल के अपने उच्चतम स्तर से नीचे आने के बीच अनुमान जताया जा रहा है कि एलपीजी कीमतों में हुई 200 रुपए प्रति सिलेंडर की कटौती का बोझ सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों उठा सकती हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि इसके लिए सरकार संभवतः कोई सब्सिडी नहीं देगी। तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में एक टेलीविजन चैनल से बातचीत कहा था कि तीन तेल विपणन कंपनियों ने अच्छे कॉरपोरट नागरिक के रूप में कीमतों में कटौती की और अप्रैल-जून तिमाही के बहुत अच्छे मुनाफे का लाभ दिया। उन्होंने हालांकि सरकार के इस निर्णय के लिए सब्सिडी देने के बारे में पूछे गए सवालों का सीधा जवाब नहीं दिया। सूत्रों ने कहा कि कीमत में कटौती तेल कंपनियों के खाते में जाएगी और सरकार ने अब तक उन्हें सब्सिडी देने का संकेत नहीं दिया है। सरकार और उद्योग सूत्रों ने कहा कि सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अप्रैल-जून तिमाही में बंपर कमाई की और उसके बाद भी यह सिलसिला जारी है।

एशिया कप के ग्रुप-ए में पाक, बी में श्रीलंका शीर्ष पर पहुंचा

मुम्बई । एशिया कप में अब तक संयुक्त मेजबान पाकिस्तान और श्रीलंका ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर ग्रुप-ए और बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। पाक ने जहां अपने पहले ही मुकाबले में नेपाल को बड़े अंतर से हराया। वहीं श्रीलंका ने भी बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल की। इस टूर्नामेंट में ग्रुप स्तर के दौरान हर ग्रुप की शीर्ष-2 टीमों को सुपर-4 में प्रवेश मिलेगा। यहां राउंड रॉबिन के आधार पर हर टीम को अन्य तीन टीमों के खिलाफ 1-1 मैच खेलने का अवसर मिलेगा। इस दौरान सुपर-4 की प्वाइंट्स टेबल की टॉप-2 टीम फाइनल में प्रवेश करेगी। एशिया कप 2023 का खिताबी मुकाबला 17 सितंबर को कोलंबो में होगा। ग्रुप-ए में भारत के अलावा पाकिस्तान और नेपाल की टीमें हैं। पहले मैच में पाक को नेपाल पर जीत के साथ ही दो 2 अंक मिलने के साथ ही नेट रन रेट में भी अच्छा लाभ हुआ। पाक का नेट रन रेट अभी 4.760 है। ऐसे में अगला मुकाबला बारिश के कारण नहीं हो पाया तो भी टीम आसानी से सुपर-4 में पहुंच जाएगी। वहीं बात ग्रुप-बी में श्रीलंका ने बांग्लादेश पर पांच विकेट से जीत हासिल की है। इससे श्रीलंकाई टीम का नेट रन रेट 0.951 का नेट हो गया है। ऐसे में उसके सुपर-4 में पहुंचने के अवसर बढ़ गये हैं।

एशिया कप में आज होगा भारत-पाकिस्तान महामुकाबला

दोपहर तीन बजे से होगा मैच

पालेकल ।

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को भारत और पाकिस्तान का अहम मुकाबला होगा। इस मैच पर दुनिया भर के प्रशंसकों की नजरें लगी रहेंगी। इस मुकाबले में भारतीय टीम के बल्लेबाजों और पाक गेंदबाजों के बीच सभी को कड़े संघर्ष की उम्मीद है। भारतीय टीम अपनी मजबूत बल्लेबाजी जबकि पाक टीम अपनी आक्रामक गेंदबाजी के लिए जानी जाती है। आगामी विश्वकप को देखते हुए ये मुकाबला और भी अहम हो जाता है क्योंकि इससे दोनो ही टीमों को अपनी तैयारियों का पता चल जाएगा। इस मुकाबले में रोहित शर्मा और विराट कोहली का सामना पाक के शाइन आफरीदी और हारिस रऊफ जैसे तेज गेंदबाजों से होगा। ऐसे में यहां की उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों के कौशल की असली परीक्षा हो होगी। एशिया कप इस बार 50 ओवरों के प्रारूप में हो रहा है जिससे इसमें खेल रही टीमों को एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारियों को आंकने का भी अवसर मिल जाएगा। आयोजकों और क्रिकेटप्रेमियों के लिये भारत और पाक के मुकाबले का विशेष आकर्षण रहता है। इस मैच से जहां आयोजकों को भारी राजस्व मिलता है, वहीं प्रशंसकों को रोमांचक खेल भी देखने को मिलता है। इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी अपनी टीमों के चहेते बन जाते हैं। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान रोहित के अलावा विराट कोहली और शुभमन गिल पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान वापसी कर रहे जसपीत बुमराह के पास रहेगी।

भारतीय प्रशंसक उम्मीद करेंगे कि इस मैच में विराट, रोहित और शुभमन गिल पाक गेंदबाजों रऊफ, शाहीन और नसीम शाह पर जमकर रन बनाये। वहीं पाक प्रशंसक चाहेंगे कि शाहीन और रऊफ जैसे गेंदबाज तूफानी गेंदबाजी करें। दोनों टीमों अपने मध्यक्रम को लेकर अभी भी संशय में हैं। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल इस मैच में नहीं खेलेंगे, ऐसे में उनकी जगह ईशान किशन को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर जगह मिलना तय है। माना जा रहा है कि ईशान मध्यम्र में खेलेंगे क्योंकि प्रबंधन शीर्ष क्रम में शायद ही बदलाव करे। ईशान को राहुल की जगह चौथे या पांचवे नंबर पर उतारा जा सकता है। दूसरी ओर पाक टीम भी अपने मध्यक्रम के कमजोर होने से परेशान है। उसके पास एकदिवसीय में इस क्रम के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की कमी है। विश्व कप 2019 के बाद से पाकिस्तान ने केवल 29 एकदिवसीय खेले है जबकि भारत ने 57 मैच खेले हैं। पाकिस्तान ने 29 में से 12 मैच इसी साल खेले। उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों बाबर आजम, फखर जमां रन और इमामुल हक का बल्ला ही जमकर चला है। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान भी एकदिवसीय प्रारुप में अधिक रन नहीं बना पाये हैं जबकि टी20 में उनके नाम काफी रन हैं। उसामा मीर, सऊद शकील और आगा सलमान भी अब तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सातवें नंबर के बल्लेबाज इफ्तिखार अहमद और आठवें नंबर के शादाब खान पर ही रनों की गति बढ़ाने की जिम्मेदारी आती है। इन दोनो ने ही निचले क्रम पर रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय आक्रमण पहले से बेहतर हुआ है। युवा प्रसिद्ध कृष्णा के आने से भी टीम को एक विकल्प मिला है। इन दोनों ने वापसी करते हुए आयरलैंड के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी पर देखना होगा कि उसी प्रभाव को ये दोनो एकदिवसीय प्ररुप में दिखा पाते हैं या नहीं। इसके अलावा भारतीय टीम के पास अनुभवी मोहम्मद शमी और सिराज भी हैं।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर पानी फेर सकती है बारिश

कैंडी ।

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले अहम मुकाबले पर सभी की नजरें लगी हैं। दुनिया भर के प्रशंसक इस मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे जो अब पूरा होने जा रहा है। इस मुकाबले से पहले मौसम विभाग की एक रिपोर्ट से प्रशंसकों की धड़कने बढ़ गयी हैं। इसमें कहा गया है कि शनिवार को बारिश हो सकती है। अगर ऐसा हुआ तो प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है क्योंकि इस मैच के लिए कोई अतिरिक्त दिन नहीं रखा गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस मुकाबले पर बारिश का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार कैंडी में भारत और पाक मैच के दौरान बारिश की संभावना काफी ज्यादा है। अनुमान है कि मैच शुरु होने से पहले ही बारिश हो सकती है। इससे टॉस और उसके बाद मैच में देरी हो सकती है। शनिवार शाम 5.30 बजे तक बारिश की संभावना 60 फीसदी तक है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक देश के कई राज्यों में बारिश हो सकती है जिसमें कैंडी मध्य में आता है और यहां शुक्रवार और शनिवार दोनो ही दिन बारिश की संभावना है। पाकिस्तान ने ग्रुप 1 में नेपाल के खिलाफ अपना पहला मैच बुधवार को 238 रनों से जीता है। ऐसे में अगर शनिवार को भारत के खिलाफ उनका खेल बारिश के कारण नहीं हो पाता है, तो भी पाक टीम सुपर 4 चरण में पहुंच जाएगी जबकि इसके लिए भारतीय टीम को अपने अगले मैच में नेपाल को हराना होगा।

नीरज डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे, रजत ही मिल पाया

लंबी कूद में मुरली को पांचवां स्थान

ज्यूरिख । भारत के विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा यहां शुरु हुई डायमंड लीग मीट में उम्मीद के अनसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और दूसरे स्थान पर रहे, इस प्रकार उन्हें रजत ही मिल पाया। वहीं चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज्च 85.86 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे और उन्हें स्वर्ण मिला। नीरज पहले पहले प्रयास में 80.79 मीटर फेंका जबकि अपने अगले दो प्रयासों में कोई अंक हासिल नहीं कर पाये। इसके बाद वह अपने चौथे प्रयास में 85.22 मीटर ही भाला फेंक सके। उन्होंने अपने अंतिम प्रयास में 85.71 मीटर भाला फेंका, जिसने वह दूसरे स्थान पर रहे। नीरज पहले स्थान पर रहे वाडलेज्च के थ्रो से केवल 15 सेंटीमीटर कम रहने के कारण पहला स्थान हासिल नहीं कर पाये। चार डायमंड लीग स्पर्धाओं के बाद, चोपड़ा कुल 23 अंकों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहे। वहीं विश्व चैंपियनशिप में कांस्य विजेता वादलेच ने 85.86 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। दूसरी ओर लंबी कूद में भारत के ही मुरली श्रीशंकर को पांचवां स्थान मिला। मुरली ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 7.99 मीटर छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम की जापान पर 35-1 से बड़ी जीत

मनिंदर ने किये दस गोल

सलालाह ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर में जापान को 35-1 से हराया। इस मुकाबले में भारत की ओर से मनिंदर सिंह ने सबसे अधिक 10 गोल गोल जबकि मोहम्मद रहील ने सात गोल किये। पवन राजभर और गुरजोत सिंह ने पांच-पांच, सुखविंदर ने चार, मंदीप मोर ने तीन और जुगराज सिंह ने एक गोल किया। वहीं जापान की ओर से एकमात्र गोल मसाताका कोबोरी ने किया। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम पांच मैचों में चार जीत के साथ ही 12 अंक हासिल करते हुए क्वालीफायर के एलीट ग्रुप में नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं पाकिस्तान टीम 12 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। तीसरे स्थान पर रही मलेशिया 43 गोल के नौ अंक हैं पर अगर वह अपना अंतिम मुकाबला जीत भी जाती है तो भी उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत के 73 गोल को पीछे छोड़ना होगा जो उसके लिए संभव नहीं है। इससे पहले भारत ने दिन के अपने पहले मुकाबले में मलेशिया को 7-5 से हराया था।

संक्षिप्त समाचार

वायकॉम18 ने खरीदे बीसीसीआई के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार

ई-नीलामी में सोनी स्पोर्ट्स और डिज्नी स्टार को पछाड़

मुम्बई । मुकेश अंबानी के समयह की वायकॉम18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के टीवी और डिजिटल मीडिया प्रसारण अधिकार खरीदे हैं। वायकॉम18 ने अगले पांच सालों के लिए 5,963 करोड़ रुपए में बीसीसीआई से ये अधिकार लिए हैं। बीसीसीआई की ई-नीलामी में वायकॉम18 ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और डिज्नी स्टार को हराकर ये अधिकार हासिल किये। इस करार में 88 अंतर्राष्ट्रीय मैच आते हैं। वायकॉम18 अब बीसीसीआई को प्रति मैच 67.75 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा। ये 2018-23 चक्र में डिज्नी स्टार द्वारा भुगतान किए गए 60 करोड़ रुपए से 12.91 फीसदी ज्यादा है। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने पिछले साल भी आईपीएल मीडिया अधिकारों की ई-नीलामी करायी थी। वहीं साल 2018 में बीसीसीआई मीडिया अधिकारों के लिए ऑफलाइन नीलामी हुई थी। ई-नीलामी में मीडिया अधिकार दो पैकेज में बिके। इनमें पैकेज-ए, टीवी के लिए है, जबकि पैकेज-बी डिजिटल और वर्ल्ड ब्रॉडकास्टिंग राइट्स के लिए था। प्रसारण अधिकार सितंबर 2023 से शुरू होकर मार्च 2028 तक रहेंगे। इस दौरान लगभग 88 इंटरनेशनल मैच होंगे। इस दौरान भारतीय टीम 88 मैच खेलेगी। इनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 और इंग्लैंड के खिलाफ 18 मैच होंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने सोशम मीडिया पर वायकॉम 18 को अगले पांच सालों के लिए बीसीसीआई के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार खरीदने के लिए बधाई दी है।

विराट से निपटने विशेष रणनीति बनायी : शादाब

पालेकल । पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान ने एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से निपटने के लिए विशेष रणनीति बनायी है। शादाब ने कहा कि विराट कोहली शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं और ऐसे खिलाड़ियों से निपटने के लिए किस प्रकार की गेंदबाजी करनी है ये वह जानते हैं। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को मुकाबला होगा। इसमें पाक गेंदबाजों के निशाने पर विराट रहेंगे। इसका कारण है कि कोहली का रिकार्ड पाक के खिलाफ काफी अच्छा रहा है। पाक गेंदबाजों का लक्ष्य विराट पर अंकुश लगाकर भारतीय टीम पर दबाव बनाना रहेगा। शादाब ने कहा कि कोहली निश्चित तौर पर विश्वस्तरीय खिलाड़ी है। आपको उनका सामना करने के लिए विशेष रणनीति बनानी होगी। कोहली ने पिछले साल मेलबर्न में आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान पाक के खिलाफ 53 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाये थे जिससे ये मुकाबला भारतीय टीम ने जीता था। शादाब ने उस पारी को याद करते हुए कहा कि विराट जिस तरह के बल्लेबाज हैं और उन्होंने हमारे खिलाफ जिस तरह का प्रदर्शन किया है। मुझे नहीं लगता कि दुनिया का कोई भी अन्य बल्लेबाज उस तरह के हलातों में हमारे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना कर पाता। विराट की विशेषता ये है कि वह टूर्नामेंट के किसी भी चरण में धमाकेदार पारी खेलने में सक्षम हैं।

एशिया कप - भारतीय टीम को जीत के लिए पाक की कमजोरियों पर करना होगा प्रहार

कैंडी।

एशिया कप में शनिवार को भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच अहम मुकाबला होगा। इस मुकाबले में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। ये मुकाबला कैंडी के पल्लेकेले अंतरराष्ट्री क्रिकेट स्टेडियम में होगा। ग्रुप ए का ये मुकाबला भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है क्योंकि अपने पहले ही मैच में नेपाल के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर पाक शीर्ष पर पहुंच गया है। इस मुकाबले में भारतीय टीम को जीत दर्ज करनी है तो उसे कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान पर अंकुश लगाना होगा। इसके अलावा तेज गेंदबाज शाइन अफरीदी से भी सावधान रहना होगा। इसके साथ ही पाक टीम की कमजोरियों पर प्रहार करना होगा।

पाक टीम में मोहम्मद नवाज 5वें गेंदबाज के तौर पर रहते हैं। पिछले साल टी20 विश्वकप में उनके कारण ही पाक के हाथ से मैच फिसल गया था। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों के पास नवात को निशाना बनाने का अवसर है। पाक के पास छठे गेंदबाज के रूप में इफ्तिखार अहमद का विकल्प है। इस प्रकार अगर टीम इंडिया पांचवें गेंदबाज पर आक्रमण करती है तो पाकिस्तान के लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी। पाक टीम का मध्यक्रम कमजोर है जिसका भारतीय गेंदबाजों को लाभ उठाना होगा। इफ्तिखार अहमद ने नेपाल के खिलाफ तेजी से शतक लगाया था पर अच्छी गेंदबाजी के सामने पाक का मध्यक्रम लड़खड़ा जाता है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में शुरुआती विकेट गिरने के बाद उसके बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो गया था। रिजवान भी एकदिवसीय में अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में भारतीय टीम अगर शुरुआती विकेट निकाल लेती है तो पाक पर दबाव बना सकती है।

पाक टीम का इतिहास रहा है कि वह दबाव में बिखर जाती है। ऐसे में उसके फील्डर और ज्यादा गलतियां करते हैं जिसका लाभ भी विरोधी टीम को मिलता है।

विराट से हुई पहली मुलाकात को याद कर बोले आजम, उनकी सलाह से फायदा हुआ

कैंडी । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने एशिया कप में दोनो ही टीम के बीच होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से हुई अपनी पहली मुलाकात को याद किया है। इस दौरान बाबर ने कहा कि उन्हें विराट की सलाह से लाभ हुआ। बाबर और कोहली की पहली मुलाकात साल 2019 विश्व कप में हुई थी। तब पाकिस्तान के एक गेंदबाज ने बाबर की मुलाकात विराट से करायी थी। इस दौरान पाक कप्तान ने उनसे बल्लेबाजी को लेकर टिप्स मांगे थे। गत वर्ष कोहली ने कहा था कि मैनचेस्टर में जब हम मिले थे तो मैंने पाया कि बाबर के मन में मेरे लिए बहुत सम्मान और आदर था। कोहली ने आगे कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बाबर के अविश्वसनीय प्रदर्शन का अनुसरण कर रहे हैं और उन्हें सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक मानते हैं। वहीं आजम ने कहा कि विराट जैसे महान खिलाड़ी से प्रशंसा के ऐसे शब्द सुनकर उनका मनोबल बढ़ता है। आजम ने कहा कि जब कोई आपके बारे में बहुत ज्यादा बोलता है तो बहुत अच्छा लगता है। मेरे बारे में विराट की टिप्पणी से मुझे गर्व महसूस होता है। मैंने उनसे 2019 विश्व कप के दौरान संपर्क किया था। वह तब अपने करियर के शीर्ष पर थे। उस समय, मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। बाबर ने कहा, मैंने उनसे बहुत सारे सवाल पूछे जो उस समय मेरे खेल के लिए आवश्यक थे। उन्होंने मुझे बहुत अच्छी तरह से समझाने का प्रयास किया। इससे मुझे बहुत सहायता मिली। यह बहुत अच्छा लगता है।

छेत्री पापा बने

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री पापा बन गये हैं। छेत्री की पत्नी सोनम ने एक बेटे को जन्म दिया है। छेत्री भारत के स्टार फुटबॉलरों में शामिल हैं। उन्होंने देश की ओर से सबसे अधिक 92 गोल किए हैं। इसके अलावा वह अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी, ईरान के अली डेई और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद अंतरराष्ट्रीय इतिहास में सबसे अधिक गोल करने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। छेत्री की कप्तानी में ही हाल में भारत ने साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन चैंपियनशिप में अपना 9वां खिताब जीता था। उसमें उन्होंने सबसे अधिक पांच गोल दागे थे। उन्हें मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का अवार्ड भी मिला था। 39 साल के होने के बाद भी वह बेहद फिट खिलाड़ी माने जाते हैं। वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 135 मैचों में 56 गोल के साथ ही दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने बेंगलुरु एफसी और मुंबई सिटी एफसी से भी खेला है। इसके अलावा आई-लीग में चर्चिल ब्रदर्स, मोहन बागान, डेम्पो, ईस्ट बंगाल की ओर से भी उन्होंने खेला है।

प्रधानमंत्री से मिले प्रज्ञानंद

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिडे शतरंज विश्व कप में दूसरे स्थान पर रहे युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें आप पर गर्व है। इससे पहले आज 18 वर्षीय प्रज्ञानंद अपनी परिजनों के साथ प्रधानमंत्री से मिलने उनके आवास पर पहुंचे थे। प्रधानमंत्री से मुलाकात से उत्साहित प्रज्ञानंद ने प्रधानमंत्री के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ''माननीय प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास पर मिलना एक बड़े सम्मान की बात थी। इस दौरान उन्होंने मुझे और मेरे माता-पिता का जिस प्रकार मनोबल बढ़ाया उसके लिए हम उनके आभारी हैं। तमिलनाडु के प्रज्ञानंद फिडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं, हालांकि खिताबी मुकाबले में उन्हें नॉर्वे के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था। मोदी ने प्रज्ञानंद की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, ''आज सात, लोक कल्याण मार्ग पर बेहद ही खास मेहमान आए। आपसे और आपके परिवार से मिलकर खुशी हुई, प्रज्ञानंद। आप जुनून और दृढ़ता का चरितार्थ हैं। आप इस चीज की मिसाल हैं कि भारत का युवा हर मैदान जीत सकता है। हमें आप पर गर्व है! गौरतलब है कि प्रज्ञानंद विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व कप फाइनल तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं। इसके साथ ही उन्होंने फिडे के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये भी क्वालीफाई कर लिया है। वह बॉबी फिशर और कार्लसन के बाद कैंडिडेट्स में पहुंचने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं।

मोनाको में चैम्पयंस लीग फुटबॉल के ड्रॉ निकाले जाने के अवसर पर मैनचेस्टर सिटी के इरलिंग ब्राट प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड विजेताओं के साथ नजर आये।

राज्य सरकार ने पीएम की विकास की राजनीति की शैली को बखूबी अपनाया है: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सूरत के पीपलोद (वेसु) में 47.40 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सूरत ज़िला पंचायत के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि सकारात्मक कार्यशैली और जनकल्याणकारी कार्यों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर नागरिकों का विश्वास बढ़ा है। विकसित गुजरात से विकसित भारत के लक्ष्य को शत-प्रतिशत योजना का लाभ देकर विकास कार्यों को सेचुरेशन पोईंट तक ले जाने में सफलता मिली है, वहीं राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास की राजनीति की शैली को बखूबी अपनाया है। मुख्यमंत्री ने नए भवन का उद्घाटन करने के बाद कन्वेंशन सेंटर, सरसाना में आयोजित लोकार्पण समारोह में व्यारा शुगर (उकाई प्रदेश सहकारी खांड मंडली, खुशालपुरा, व्यारा) की पुन: स्थापना के लिए सुमुल डेयरी के अध्यक्ष और संबंधित अधिकारियों को 5 करोड़ रुपए का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हाल ही में बारिश सामान्य से थोड़ा कम हुई है ऐसे में राज्य सरकार ने किसानों के हित में 8 की जगह 10 घंटे बिजली देने और नर्मदा नहर से पानी छोड़ने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के अंतिम छोर पर स्थित मानवों एवं गांवों सहित जन-जन को सुख-सुविधा प्रदान करने वाले विकास कार्यों में कर्तव्यरत है। मुख्यमंत्री ने आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखने के साथ-साथ शुद्ध वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के अनुरूप विकास का विचार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देन है। प्रधानमंत्री ने मिशन लाइफ की पहल के साथ पर्यावरण, मिट्टी और मानव स्वास्थ्य में हो रहे लगातार गिरावट को रोकने के लिए एक व्यापक और अभिनव विचार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण, पानी और बिजली को बचाना और संरक्षित करना समय की मांग है और उन्होंने राज्य के नागरिकों और भावी पीढ़ी को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान में तेजी लाने और सिंगल यूज वाले प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का प्रेरक आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज़िला पंचायत का नया भवन सेवा, सुविधा और आधुनिकता के समन्वय से बना है और उन्होंने इस अनुकरणीय और शानदार भवन के निर्माण के लिए सभी पदाधिकारियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

वित्त, ऊर्जा मंत्री और जिला प्रभारी मंत्री कनु देसाई ने कहा कि सरकार ने लोगों की सुविधा और कल्याण के लिए आधुनिक भवनों के निर्माण हेतु बजट में करोड़ों रुपये का प्रावधान कर विकास की नई परिभाषा दी है। इस अवसर पर वित्त एवं ऊर्जा मंत्री कनु देसाई ने कहा कि सरकार ने गांवों में रहने वाले लोगों की चिंता करते हुए पंचायतों को सुदृढ़ बनाने का कर्तव्यनिष्ठ कार्य किया है, साथ ही राज्य में हुई कम बारिश से किसानों की खड़ी फसलों को बचाने के लिए आगामी 5 सितंबर से उन्होंने 8 घंटे के बजाय 10 घंटे बिजली देने का निर्णय लिया। ग्राम स्वराज में सत्ता का विकेंद्रीकरण कर सरकार अंतिम छोर के लोगों तक योजना का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से काम कर रही है। गांवों में भी शहर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर कार्यरत है।

सस्ते अनाज की दुकानदारों की हड़ताल से 32 लाख राशन कार्ड धारकों की मुश्किलें बढ़ीं

अहमदाबाद । गुजरात में अपनी लंबित मांग को लेकर सस्ते अनाज के दुकानदार आज से असहयोग आंदोलन पर उतर गए हैं। दुकानदारों की हड़ताल से राज्य के करीब 32 लाख राशन कार्ड धारकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दुकानें बंद होने से राशन कार्ड धारकों को सरकारी अनाज नहीं मिल पाएगा। सस्ता अनाज दुकानदारों ने पहले ही 1 सितंबर से हड़ताल पर उतरने का ऐलान कर दिया था। फेर प्राइज शोप व्यापारी एसोसिएशन के प्रमुख के मुताबिक विधानसभा के चुनाव से पूर्व सरकार ने सस्ते अनाज के सभी 1। हजार व्यापारियों को कमीनशन के नुकसान के तहत रु. 20 हजार रकम की भरपाई का वादा किया था, जो अब तक पूरा नहीं किया गया। इसके अलावा सस्ते अनाज की दुकान की जांच की जाए और आपूर्ति कम हो तो एक प्रतिशत तक राहत दी जाती है। एक प्रतिशत से अधिक कमी होने पर ही कानूनी कार्यवाही की जाती है। फिलहाल अनाज के वितरण पर प्रति किलो रु. 1.43 रुपए कमीशन दिया जाता है। जबकि हरियाणा में सरकार प्रति किलो रु. 2 कमीशन दी जाती है। गुजरात की सस्ते अनाज दुकान व्यापारियों की मांग है कि उन्हें प्रति किलो रु. 2 का कमीशन दिया जाए। हाल ही में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी, लेकिन उसमें कोई निष्कर्ष नहीं निकलने पर सस्ते अनाज के 1। हजार दुकानदारों ने सरकारी अनाज की आपूर्ति स्वीकार करने से इंकार कर दिया है। अपने ऐलान के मुताबिक सस्ते अनाज की दुकानदार आज से हड़ताल पर उतर गए हैं। दुकानदारों की हड़ताल का गरीब परिवारों पर बुरा असर होगा। आगामी दिनों में त्यौहार शुरू हो रहे हैं और ऐसे में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानें बंद रहने से गरीबों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

'एक देश एक चुनाव' से देश को फायदा होगा, सभी राजनीतिक दलों को एकमत होना चाहिए : सीआर पाटील

सूरत। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने कहा कि 'एक देश एक चुनाव' से समय और खर्च बचने से देश को फायदा होगा। उम्मीद है कि एक देश एक चुनाव पर सभी राजनीतिक दल एकमत होंगे। बता दें कि केन्द्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर के बीच पांच दिनों के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया है। हांलाकि संसद के इस विशेष सत्र का एजेंडा क्या होगा? इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं बताया गया। इस बीच केन्द्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक देश एक चुनाव की संभावना तलाशने के लिए एक समिति का गठन कर दिया है। संसद का विशेष सत्र आहूत करने की खबर आने के बाद कल से इस बात की चर्चा शुरू हो गई थी कि एक देश एक चुनाव को लेकर सरकार ने विशेष सत्र बुलाया है। शुक्रवार को इस संदर्भ में समिति के गठन के बाद चर्चा और तेज हो गई है और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने सूरत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक देश एक चुनाव को लेकर देश के सभी राजनीतिक दलों से खुली चर्चा की थी। एक देश एक चुनाव का प्रावधान नही होने की वजह से देश में कहीं ना कहीं चुनाव होते रहते हैं, जिसमें अधिकारी कई महीनों तक व्यस्त रहते हैं। जिसकी वजह से लोगों के काम के लिए समय नहीं दे पाते। एक साथ चुनाव नहीं होने की वजह से समय और खर्च भी बढ़ता है। अलग अलग समय पर आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य ठप हो जाते हैं और उसके खर्च में भी वृद्धि होती है। सीआर पाटील ने कहा कि एक देश एक चुनाव नहीं होने की वजह से सभी नेता, कार्यकर्ता, अधिकारी और नागरिकों को भी सुविधा मिलेगी। मतदाताओं को केवल एक बार वोटिंग के लिए जाना पड़ेगा। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। मुझे विश्वास है कि समिति की रिपोर्ट आने के बाद देश के सभी राजनीतिक दल और नेता एक देश एक चुनाव पर एकमत होकर देशहित में फैसला करेंगे। गुजरात भाजपा प्रमुख ने कहा कि विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के कई चेहरे हैं, लेकिन उसका जितना फायदा है उतना नुकसान भी है।

नारियल उत्पादन में गुजरात की बड़ी छलांग: एक दशक में बुवाई क्षेत्र 4500 हेक्टेयर बढ़ा

गांधीनगर । भारत में सबसे लंबी तटरेखा वाला गुजरात नारियल उत्पादन में बड़ी छलांग रहा है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले दशक में गुजरात में नारियल के बुवाई क्षेत्र में 4552 हेक्टेयर की वृद्धि दर्ज की गई है। गुजरात में वर्ष 2012-13 में नारियल का बुवाई क्षेत्र 21,120 हेक्टेयर था, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 25,672 हेक्टेयर पर पहुंच गया है। गुजरात में नारियल उत्पादन के संबंध में जानकारी देते हुए राज्य के बागवानी निदेशक पी.एम. वघासिया ने कहा कि राज्य में नारियल का बुवाई क्षेत्र 25 हजार हेक्टेयर पर पहुंच गया है जबकि उसका उत्पादन 21.42 करोड़ नट्स (पक्का नारियल) है। उन्होंने कहा कि गुजरात में नारियल का उत्पादन मुख्य रूप से गिर-सोमनाथ, जूनागढ़, भावनगर, वलसाड, कच्छ, नवसारीर और देवभूमि द्वारका जिलों में होता है।

नारियल की फसल के बारे में जानकारी देते हुए संयुक्त बागवानी निदेशक बिपिन राठोड़ कहते हैं, "राज्य में उत्पादित होने वाले कुल नारियल में से 20 फीसदी नारियल का त्रोफा यानी कच्चे नारियल के रूप में जबकि 42 फीसदी नारियल का पके हुए नारियल (नट्स) के रूप में उत्पादन होता है। 5 फीसदी किसान अपने लिए और बीज के रूप में नारियल का उत्पादन करते हैं।" श्री राठोड़ के अनुसार गुजरात से 33 फीसदी नारियल दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में निर्यात किया जाता है। उल्लेखनीय है कि नारियल वैसे तो पूरे साल उपलब्ध होता है। लेकिन गर्मियों (मार्च से जून) के दौरान नारियल की मांग काफी बढ़ जाती है। खास बात यह है कि कृषि अर्थव्यवस्था में नारियल के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने 'गुजरात नारियल विकास कार्यक्रम' लागू किया है। इसके लिए बजट में 403.30 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार का यह कदम नारियल की खेती में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

भारतीय संस्कृति में नारियल को श्रीफल का दर्जा प्राप्त है। वास्तव में कल्पवृक्ष जैसा यह फल मनुष्य के स्वास्थ्य वर्धन के लिए कई तरह से फायदेमंद है। और इसलिए ही इसका उपयोग केवल शक्तिवर्धक पेय या शुभ अवसरों में प्रसाद के रूप में ही नहीं हो रहा है, बल्कि इसका लगातार मूल्य संवर्धन भी हो रहा है। नारियल का मूल्य संवर्धन कर उससे तेल, वर्जिन कोकोनट ऑयल, नारियल का दूध, कोकोनट कुकी, कोकोनट बरफी, विनेगर, फ्लैक्स, चिप्स, ऑयल केक और नीरा आदि बनाया जा सकता है। नारियल के तेल का उपयोग खाद्य तेल के अलावा टॉयलेटरी और अन्य उद्योगों में भी होता है। नारियल के दूध का उपयोग एलर्जी की औषधियों में भी होता है। हरेक आयु समूह के लिए उपयोगी नारियल के दूध का उपयोग विशेष रूप से नवजात शिशु को पिलाने में किया जाता है। नारियल का दूध डायबिटीज, मोटापा, पित्ताशय के रोग और अग्न्याशय की सूजन में उपयोगी है। राज्य में नारियल का उत्पादन बढ़ने से प्रसंस्करण के जरिए इसका मूल्य संवर्धन कर नारियल पानी का टेट्रा पैक या बोतल, नारियल मिल्क पाउडर, नारियल तेल, नीरो और कॉयर जैसे अनेक उत्पादनों की भी विशाल संभावनाएं मौजूद हैं।

मां-बेटी का एक ही व्यक्ति से था प्रेम संबंध, प्रेमी के साथ मिलकर बेटी ने माता की हत्या की

अहमदाबाद। कच्छ से एक हैरान कर देनेवाली घटना सामने आई है, जिसमें नाबालिग लड़की ने प्रेमी के साथ मिलकर अपनी ही माता को मौत के घाट उतार दिया। चौंकानेवाली बात यह है कि माता का भी उसी शख्स से प्रेमसंबंध था, जिसे उसकी बेटी चाहती थी। माता के विरोध के बाद बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। दरअसल गत 13 जुलाई को कच्छ जिले के माधापर से करीब 55 किलोमीटर दूर हमीरपोरा गांव के निकट समुद्र किनारे से एक महिला की सड़ी-गली लाश मिली थी, जिससे भयंकर दुर्गंध आ रही थी। पुलिस ने महिला के शव को फोरेंसिक पोस्टमार्टम कराया। लेकिन महिला की पहचान और मौत का ठोस कारण का पता नहीं चला। हत्या का यह मामला सुलझाना पुलिस के लिए काफी मुश्किल हो गया। पुलिस ने गुमशुदा लोगों की सूची भी खंगाल डाली परंतु उसमें किसी महिला के लापता होने का जिक्र नहीं था। हांलाकि पुलिस को इस बात का पूरा यकीन था कि महिला की हत्या की गई है। पुलिस ने मृतक महिला ने जो साडी और अन्य वस्तुएं पहन रखी थीं, उसका वर्णन करती पत्रिकाएं राज्य परिवहन निगम की बसें, निजी यात्री वाहन, सार्वजनिक स्थलों समेत आसपास के गांवों में वितरण की और लोगों से अपील की, अगर किसी को इसके बारे में कोई जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को इत्ला दे। महिला की जिस जगह से लाश मिली थी उसके बारे में बाहर के किसी व्यक्ति को जानकारी नहीं होगी। जिससे पुलिस को आशंका थी कि हत्या के इस मामले में स्थानीय मछुआरा या आसपास कोई शख्स हो सकता है। इस आधार पर पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के गांव के चक्कर काटने शुरू किए और कई लोगों को विश्वास जीतकर समुद्र किनारे आनेवालों की खोजबीन शुरू कर दी। उस दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि डेढ महीने पहले हमीरमोरा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने चार आए थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने कार्यक्रम की तारीख ढूंढ निकाली और उस दिन के कॉल डिटेल्स एकत्र किए। जिसमें घटनास्थल के निकट योगेश जोटियाणा नामक शख्स का लोकेशन मिला। पुलिस ने योगेश जोटियाणा के उस दिन का सीडीआर मंगवाया और उसकी जांच में एक मोबाइल नंबर का पता चला। इस नंबर से 10-11 जुलाई की रात 3.18 बजे एक कॉल किया गया था। टावर डम्प के आधार पर पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि यह फोन उस जगह के आसपास से किया गया था, जहां से महिला का शव बरामद हुआ था। वह शख्स हमीरपोरा गांव का निवासी होने का पता चलने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ शुरू कर दी। जिसमें उसने महिला की हत्या की बात कबूल कर ली। पकड़े गए शख्स कि तीन आरोपी लक्ष्मी नामक महिला को सामाजिक कार्यक्रम में ले जाकर उसकी हत्या की साजिश रची थी। इसके अंतर्गत 13 जुलाई हम चार लोग हमीरमोरा पहुंचे और योजना के मुताबिक समुद्र किनारे के सिर पर हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी। जिसके बाद उसका शव अलग जगह दफनाकर तीन आरोपी फरार हो गए। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मृतक लक्ष्मी की सात साल पहले जितेन्द्र भट्ट नामक शख्स से दूसरी शादी हुई थी। पहले पति से लक्ष्मी की एक बेटी है और वह भी अपनी माता के साथ माधापर में रहती थी। 6 महीने पहले रंगरोगन का काम करने वाले योगेश जोटियाणा से प्यार हो गया। इसकी भनक जब जितेन्द्र भट्ट को लगी तो दोनों के बीच झगड़े होने लगे। इसके बावजूद पति जितेन्द्र भट्ट की अनुपस्थिति में योगेश जोटियाणा उसके घर आता था। उसी दौरान लक्ष्मी की 11 वर्षीय बेटी की योगेश जोटियाणा से नैन लड़ गए और वह अपनी माता के प्रेमी के साथ काम पर जाने लगी। इन मुलाकातों के दौरान नाबालिग लड़की को भी योगेश प्यार हो गया। लक्ष्मी को जब इसका पता चला तो मां-बेटी के बीच झगड़ा शुरू हो गया। इस कारण बेटी ने योगेश जोटियाणा के साथ मिलकर अपनी माता लक्ष्मी की हत्या करने की योजना बनाई।

इंदिरा ब्रिज तक रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट पूर्ण होने पर पूर्वी और पश्चिम अहमदाबाद से गांधीनगर जाना होगा आसान

अहमदाबाद । शहर के मध्य से बहनेवाली साबरमती नदी पर दूसरे चरण का रिवरफ्रंट का कार्य तेजी चल रहा है और इसके पूर्ण अहमदाबाद के नागरिकों के लिए गांधीनगर जाना आसान हो जाएगा। रु. 850 करोड़ लागत से निर्माणाधीन रिवरफ्रंट फेज-2 प्रोजेक्ट का कार्य जल्द ही इंदिरा ब्रिज पूरा जाएगा। फेज-2 प्रोजेक्ट पूर्ण होने पर खासकर पूर्वी और पश्चिम अहमदाबाद के नागरिकों के लिए गांधीनगर आवागमन सरल हो जाएगा। दरअसल साबरमती रिवरफ्रंट डेवलमेंट बोर्ड की बैठक में मौजूदा रिवरफ्रंट को इंदिरा ब्रिज तक बढ़ाने की पेशकश की गई। जिसे ध्यान में रखते हुए प्लानिंग और डिजाइन बनाई गई है। रिवरफ्रंट फेज-1 के तहत साबरमती नदी के पूर्व और पश्चिम किनारे पर 11.5 किलोमीटर लंबाई की सड़क समेत विकास किया गया है। दूसरे चरण में रिवरफ्रंट को इंदिरा ब्रिज तक बढ़ाने के लिए पूर्व में 5.8 किलोमीटर और पश्चिम में 5.2 किलोमीटर तक डेवलपमेंट किया जाएगा। रिवरफ्रंट फेज-2 के अंतर्गत भी नदी की दोनों ओर स्टेपिंग प्रोमेनाड, रोड नेटवर्क, गार्डन, चिल्ड्रन एरिया, फूड प्लाजा, वॉर मेमोरियल और आर्ट एन्ड कल्चर प्रोग्राम के लिए जगह के अलावा घुमने फिरने के स्थल के तौर पर विकास किया जाएगा। बता दें कि रिवरफ्रंट फेज-2 प्रोजेक्ट पूर्ण होने पर अहमदाबाद के वासणा अंबेडकर ब्रिज से वाहन चालकों को इंदिरा ब्रिज होते हुए गांधीनगर पहुंचना सरल हो जाएगा। साथ ही आश्रम रोड समेत अन्य रोड पर ट्रैफिक का बोझ भी कम होगा। इसके अलावा रिवरफ्रंट फेज-2 में मोटेरा के निकट पानी के संग्रह के लिए बैराज कम ब्रिज बनाया जाएगा। जिसके जरिए पश्चिमी अहमदाबाद के नागरिक सीधे एयरपोर्ट और गांधीनगर भी जा सकेंगे। साबरमती नदी पर वासणा में एक बैराज है और अब मोटेरा में दूसरा बैराज बनाया जाएगा। ऐसा होने पर साबरमती नदी में मोटेरा से वासणा बैराज तक जलस्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी और आसपास के इलाकों में भूजल स्तर ऊंचा होगा। मोटेरा के निकट बैराज बनाने का मुख्य उद्देश्य से यह भी है कि अगर किसी वजह से नर्मदा नहर से पानी छोड़ना बंद किया जाता है या जलस्तर घटाया जाता है तो मोटेरा बैराज में पानी की जलराशि का संग्रह किया जाएगा और इससे अहमदाबाद के नागरिकों को 10-15 दिन तक पानी की कोई मुश्किल नहीं होगी।

'एचक्यू मास्टरपीस' और 'एचक्यू इवॉल्व' के आगमन की घोषणा

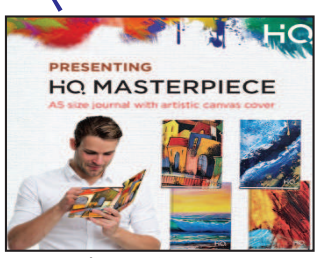

नवनीत एजुकेशन लिमिटेड ब्रांड HQUlatest उपहार - HQमास्टरपीस और HQEvolve-Journals पेश करते हुए प्रसन्न है। ये दो उत्कृष्ट उत्पाद आपके लेखन अनुभव को बढ़ाने के लिए बेहतर कार्यक्षमता के साथ कलात्मक डिजाइनों का संयोजन करते हुए पत्रिकाओं के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेंगे।

HQमास्टरपीस सिर्फ एक पत्रिका नहीं है; यह एक उत्कृष्ट कृति है. एक मानक कैनवास कवर पर विशेषज्ञ रूप से तैयार किए गए डिजाइनों से सुसज्जित, यह पांच आकार की पत्रिका आपके रोजमर्रा के लेखन में सुंदरता और आकर्षण का स्पर्श जोड़ती है। 80 ग्राम प्राकृतिक शेड पेपर की विशेषता वाला यह जर्नल एक कलात्मक कवर के साथ आता है, जो एक घर्षण-मुक्त सतह प्रदान करता है ताकि आपकी कलम पृष्ठों पर फिसल सके।

कॉर्पोरेट अधिकारियों, प्रबंधकों, पेशेवरों और रचनात्मक रूप से इच्छुक व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन किया गया, मुख्यालय मास्टरपीस में आंतरिक पृष्ठों पर एक नरम ग्रे रूलिंग है, जो एक आरामदायक लेखन अनुभव सुनिश्चित करता है। आसान बुकमार्क को शामिल करके आप अपने महत्वपूर्ण नोट्स को चिह्नित कर सकते हैं और कभी भी अपने विचारों का ध्यान नहीं खो सकते।

इस पत्रिका की मजबूत समुद्री बाइंडिंग (केस बाइंडिंग) यह सुनिश्चित करती है कि चाहे आप इसे कितनी भी बार उपयोग करें, इसके पन्ने बरकरार रहेंगे। ।।क्त मास्टरपीस के साथ आप बिना किसी बाधा के अपनी रचनात्मकता को खुली छूट दे सकते हैं।

एचक्यू इवॉल्व जर्नल डिजाइन के पारंपरिक नियमों को तोड़ता है और नवीनता को अपनाता है। एक अनोखे रबर जैसे कॉर्क से निर्मित, यह स्लीकफाइव जर्नल पहली नज़र में ही मनमोहक लगता है। तीन आकर्षक कवर डिज़ाइन आपके लेखन संग्रह में परिष्कार का स्पर्श जोड़ते हैं, अपने समकालीनों की तरह, एचक्यू इवॉल्व में नरम ग्रे रूलिंग के साथ 80 जीएसएम प्राकृतिक शेड का पेपर है जो एक सुखद लेखन अनुभव प्रदान करता है। यह पत्रिका उन प्रबंधकों और सीएक्सओ के लिए एक आदर्श साथी हो सकती है जिनका परीक्षण उच्च है। दीर्घकालिक उपयोग और उपहार देने के लिए आदर्श, मुख्यालय इवॉल्व टिकाऊ और सुंदर दिखने वाली पत्रिकाओं की एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है।

शक्ति पम्पस् को हरियाणा में मिला 350 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर

मुंबई। सोलर पंपिंग सॉल्यूशन में अग्रणी, शक्ति पम्पस् के खाते में एक नई उपलब्धि जुड़ गई है. कंपनी को हरियाणा में ग्रीन एनर्जी डेवलपमेन्ट एजेंसी (हरेडा) से 350 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर मिला है। यह वर्क ऑर्डर हरेडा द्वारा शुरू की गई महत्वपूर्ण कुसुम स्कीम-3 के अंतर्गत मिला है।

शक्ति पम्पस् के चैयरमेन श्री दिनेश पाटीदार ने कहा – "हम हरियाणा के किसानों और हरेडा टीम को उनके विश्वास और समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद देते हैं। इस प्रयास के माध्यम से, किसान सोलर एनर्जी का उपयोग करके पानी और बिजली बचाने के साथ साथ माइक्रो इरिगेशन की मदद से कृषि में और अधिक विकास कर सकते हैं। यह प्रयास पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति शक्ति पम्पस् की वचनबद्धता के अनुसार है और किसानों को कई फायदे भी पहुंचाता है।

शक्ति पम्पस् इनोवेशन और एक्सीलेंस के मामले में लगातार सबसे आगे रहा है। कुसुम योजना फेस-1 और फेस - 2 के लिए पम्पस् के सप्लायर होने के साथ ही, फेस-3 के लिए किसानों द्वारा शक्ति कंपनी का चयन करना कृषि में नए परिवर्तन को दिखाता है। शक्ति पम्पस् ने पहले और दूसरे चरण के दौरान पूरे हरियाणा में 13,000 से अधिक पम्पस् इंस्टॉल किए है और अब इस क्रम में 7700 पम्पस् और जोड़े जाएंगे।

कुसुम योजना के माध्यम से सोलर पम्पस् लगाने से भारतीय कृषि जगत में एक नए युग की शुरुआत हुई है। सौलर पंप टेक्नोलॉजी को अपनाकर, किसान प्रसन्न दिख रहे हैं और हमें खुशी है कि हम उनकी इस पहल का हिस्सा है।''

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)